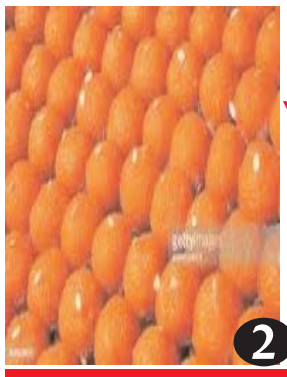

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

2 पेज

पेज 7

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 88 | ग्वालियर,गुरुवार, 05 जनवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

इस हिंसा को रोकें

जम्मू-कश्मीर में रविवार देर शाम टारगेट किलिंग को अंजाम देते हुए नकाबपोश दो आतंकियों ने नियंत्रण रेखा से सटे राजौरी जिले के डांगरी गांव में अंधाधुंध फायरिंग की।केंद्र शासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर के राजौरी इलाके में हुई ताजा आतंकी वारदात कई वजहों से ध्यान खींचती है। अव्वल तो यह किसी सार्वजनिक स्थान पर किया गया आतंकी हमला नहीं है। रविवार शाम दो बंदूकधारी गांव में घुस आए और मिले ब्योरे के मुताबिक उन्होंने आधारकार्ड चेक करने के बाद तीन घरों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और नौ घायल हुए। मगर मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। अगले दिन सुबह इन्हीं घरों के पास आईईडी ब्लास्ट हुआ, जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई और पांच अन्य जख्मी हो गए। यह आतंकवादियों की बढ़ी हुई हिम्मत और सुरक्षा बलों की चूक का दोहरा संकेत है। स्वाभाविक ही इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों की ओर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। उनका यह डर बिलकुल जायज है कि अब जब आतंकवादी घरों में घुसकर हमें मार रहे हैं तो हम इनसे बचने के लिए कहां जाएं।गौर करने की बात यह भी है कि जब भी आतंक की कोई बड़ी वारदात होती है तो सुरक्षा बल उस इलाके की घेराबंद करते, वहां गश्त बढ़ा देते हैं। उस पूरे क्षेत्र की अच्छे से खोजबीन की जाती है। अचरज की बात है कि अगर यह सब किया गया था तो उसके बाद भी रविवार शाम की वारदात के बाद अगली सुबह उन्हीं घरों के सामने आईईडी ब्लास्ट कैसे हो गया? और, यह कोई इकलौती वारदात नहीं है इस इलाके में। दो सप्ताह पहले ही राजौरी आर्मी कैंप के बाहर दो लोगों की हत्या की गई थी।ध्यान रहे, राजौरी, जम्मू का ऐसा इलाका है जो आतंकवाद से काफी हद तक मुक्त माना जाता रहा है। विरोधी दलों ने स्वाभाविक रूप से इन घटनाओं पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है, लेकिन बात उनकी प्रतिक्रियाओं की उतनी नहीं है। जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में आम लोगों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है, उसमें भले ही एक खास पैटर्न हो, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।चाहे धारा 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिला विशेष दर्जा समाप्त करने की बात हो या स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व को कटघरे में खड़े करने की या राष्ट्रपति शासन लागू करने की- इन सबके औचित्य का सबसे बड़ा आधार यही बताया जा रहा था कि इससे जम्मू-कश्मीर के लोगों का अलगाव खत्म होगा, उन्हें आतंकवाद के चंगुल से मुक्ति मिलेगी और इस पूरे क्षेत्र का तेजी से विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा। ऐसा नहीं है कि इन आधारों की प्रासंगिकता समाप्त हो गई है या इन कसौटियों पर केंद्र या प्रदेश प्रशासन पूरी तरह नाकाम साबित हो गया है। उसके प्रयास कई मामलों में सराहनीय रहे हैं।

न्यूज ट्रैक

मोदी कैबिनेट ने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी

नई दिल्ली। पीएम मोदी के नेतृत्व में बुधवार (4 जनवरी) को हुई कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं. केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी. साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन का ग्लोबल हब बनेगा. प्रतिवर्ष 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन होगा. केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि 60-100 गीगावाट की इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता को तैयार किया जाएगा. इलेक्ट्रोलाइजर की मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन पर 17,490 करोड़ प्रोत्साहन राशि दी जाएगी. ग्रीन हाइड्रोजन के हब को विकसित करने के लिए 400 करोड़ का प्रावधान किया है.

मिलेगी नौकरियां-केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के लिए 19,744 करोड़ रुपए की मंजूरी आज दी गई है. इस मिशन से 8 लाख करोड़ रुपये का सीधा निवेश होगा और इससे 6 लाख नौकरियां इससे मिलेंगी. इसके अलावा उन्होंने कहा कि 382 मेगावाट के सुन्नी बांध हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश के लिए मंजूर किया गया है. इसमें 2,614 करोड़ रुपए की लागत आएगी. ये सतलुज नदी पर बनेगा.

मिशन हरित क्या करेगा-मिशन हरित हाइड्रोजन की मांग तैयार करने के साथ उत्पादन, उपयोग और निर्यात की सुविधा प्रदान करेगा. हरित हाइड्रोजन की तरफ बदलाव कार्यक्रम के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप के तहत इलेक्ट्रोलाइजर का घरेलू स्तर पर विनिर्माण और हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिये दो अलग-अलग वित्तीय प्रोत्साहन उपाय किये गये हैं. इलेक्ट्रालाइजर का उपयोग हरित हाइड्रोजन के उत्पादन में किया जाता है. बता दें कि पिछली यानी 23 दिसंबर को हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में गरीबों को मुफ्त अनाज बांटने का फैसला किया गया था. इसको लेकर खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत गरीबों को मुफ्त में अनाज मुहैया कराया जाएगा. फिलहाल इस कानून के तहत लाभ पाने वाले लोगों को अनाज के लिए एक से तीन रुपये प्रति किलो का भुगतान करना पड़ता है.सरकार का यह फैसला उस समय आया, जब प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि 31 दिसंबर को खत्म हो रही थी. कोविड-19 महामारी के दौरान गरीबों को मुफ्त अनाज बांटने की शुरुआत अप्रैल 2020 में की गई थी.

हाईकोर्ट को क्यों कहना पड़ा, गुस्सैल पत्नी के साथ जीवन बिताना यातना झेलने जैसा

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई के दौरान मनोरोगी गुस्सैल पत्नी के साथ जीवन बिताना आजीवन यातना जैसा है कहते हुए पति की ओर से दाखिल की गई तलाक की याचिका को मंजूरी दे दी है. कोर्ट ने कहा, पति की ओर से तलाक का केस दाखिल करने के तुरंत बाद ही पत्नी ने दहेज को लेकर एफआईआर दर्ज करवाई थी, ऐसा करना उसके रवैये को दर्शाता है.

क्या है मामला-याचिका में पति ने बताया कि वह अमृतसर के निवासी हैं और उनकी शादी साल 2011 में हुई थी. शादी के कुछ दिन बाद ही उनकी पत्नी का गुस्सैल रवैया सामने आने लगा और वक्त के साथ ही उसकी पत्नी का गुस्सा बढ़ता गया. याचिकाकर्ता ने बताया कि उसकी बेटी के जन्म के बाद तो स्थिति और भी खराब होने लगी. पहले उसकी पत्नी ने घर के काम करने से इनकार कर दिया. धीरे धीरे वह याचिकाकर्ता और उसके परिजनों को सार्वजनिक तौर पर थप्पड़ मारने और बेइज्जती करने लगी. पत्नी की इस हरकत से तंग आकर जब याचिकाकर्ता ने तलाक की अर्जी दाखिल की तो पत्नी ने दहेज मांगने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवा दिया. इसके बाद दोनों के बीच समझौता हो गया और एफआईआर रद्द हो गई. जबकि शादी के वक्त याचिकाकर्ता के परिवार ने किसी भी तरह की दहेज नहीं लिया था. हालांकि समझौता होने के बाद भी उसकी पत्नी का बर्ताव नहीं बदला, और समय के साथ वह और भी क्रूर होती चली गई. एक दिन उसने बिना किसी को बताए ही घर छोड़ दिया और मायके चली गई. जिसके बाद याचिकाकर्ता ने फिर बार फिर तलाक के लिए याचिका दाखिल की और उसकी पत्नी ने एक बार फिर दहेज का केस दर्ज करा दिया.

पत्नी ने क्या कहा-वहीं दूसरी तरफ पत्नी ने पति के लगाए इन सभी आरोप को खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता उसे दहेज के लिए अपमानित किया करता था. इसके अलावा वह उस पर अपने पिता की संपत्ति में हिस्सा मांगने पर भी दबाव बनाता था.

दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने क्या कहा-हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलील सुनी और कहा, दो डॉक्टरों का मानना है कि पत्नी का ऐसा करना मानसिक बीमारी है जिसका इलाज तो है लेकिन इसे ठीक नहीं किया जा सकता. इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि ऐसी मनोरोगी व गुस्सैल जीवनसाथी के साथ रहने के लिए याचिकाकर्ता को मजबूर करना उसे जीवन भर यातना देना होगा. जज ने कहा, अपने पति और ससुराल वाले को सबके सामने बेइज्जत करना क्रूरता है. वहीं तलाक की याचिका दाखिल करने के तुरंत बाद पत्नी का दहेज मांगने का एफआईआर दर्ज करना उसका दोहरा रवैया दिखाता है.

दहेज कानून दुरुपयोग पर क्या है प्रावधान-देश में औसतन हर एक घंटे में एक महिला दहेज संबंधी कारणों से मौत का शिकार होती है और वर्ष 2007 से 2011 के बीच इस प्रकार के मामलों में काफी वृद्धि देखी गई थी. महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा, विशेष रूप से युवा, नव विवाहित दुल्हन जलने की बढ़ती घटनाएं हर किसी के लिए चिंता का विषय बन गईं. यह महसूस किया गया कि आईपीसी के सामान्य प्रावधान महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं थे. इसलिए आईपीसी में धारा 498ए को शामिल किया गया. ऐसे में दहेज के लिए प्रताड़ित बेटियों के लिए यह कानून सुरक्षा कवच के तरह माना गया. लेकिन इस कानून का दुरुपयोग करना भी शुरू हो गया. यह वर पक्ष के लोगों को डराने के लिए शस्त्र के रूप में काम करने लगा. ऐसे में इस कानून में समय पर बदलाव किया गया.

क्या है सजा का प्रावधान-वरिष्ठ वकील आदित्य काला के अनुसार धारा 498 (दहेज कानून का दुरुपयोग) के तहत अपराध को गंभीर माना गया है. इसमें दोषी पाए जाने पर अधिकतम तीन साल की सजा तक का प्रावधान है.

कानून का दुरुपयोग-आदित्य काला बताते हैं कि इस कानून का दुरुपयोग भी होने लगा है. ऐसे में साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट में अर्नेश कुमार बनाम बिहार सरकार मामले में 498ए पर सुनवाई करते हुए इसके दुरुपयोग पर चिंता जाहिर करते हुए एक अहम फैसला दिया था. तब अदालत ने कहा था कि धारा 498ए का महिलाएं दुरुपयोग कर रही हैं. वे इसका गलत तरीके से इस्तेमाल करती हैं. नतीजतन झूठे केस दर्ज किए जाते हैं. इस कानून को थोड़ा विस्तार में बताते हुए कहा गया कि अगर कोई महिला पुलिस या मजिस्ट्रेट के पास धारा 498ए के तहत शिकायत करती तो उसकी शिकायत परिवार कल्याण समिति के पास भेज दी जाती है उसके बाद प्रताड़ित महिला की शिकायत की पड़ताल का सबसे पहले यही समिति करती है. पहले पुलिस परिवार वालों को शिकायत पर गिरफ्तार कर लेती थी लेकिन अब कहा गया कि जब तक पड़ताल न हो जाए और ससुराल वाले दोषी न हो तब तक पुलिस किसी की गिरफ्तारी नहीं कर सकती थी.

सोनिया गांधी को अस्पताल में क्यों होना पड़ा भर्ती, क्या है बीमारी

कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस में भर्ती होना पड़ा. अब इसे लेकर अस्पताल की तरफ से भी बयान जारी किया गया है. जिसमें बताया है. वायरल रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन की निगरानी और इलाज के लिए उन्हें चेस्ट मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया गया.÷ हॉस्पिटल के चेयरमैन (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट) डॉ. अजय स्वरूप ने ये जानकारी दी.

तबीयत के चलते दिल्ली लौटे राहुल-प्रियंका-कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को बुधवार 4 जनवरी की सुबह रूटीन मेडिकल चेकअप को लेकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. कांग्रेस सूत्रों ने बताया था कि अस्पताल में भर्ती कराने के समय सोनिया गांधी की बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा उनके साथ मौजूद थीं. सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी श्वास संबंधी इंफेक्शन से पीड़ित रही हैं. उनकी तबीयत एक दिन पहले से थोड़ी खराब थी, जिसके चलते राहुल गांधी और प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश में 'भारत जोड़ो यात्रा' के प्रवेश करने पर सात किलोमीटर चलने के बाद मंगलवार (3 जनवरी) शाम दिल्ली लौट आए थे. बता दें कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' आज बुधवार सुबह छह बजे बागपत के मवीकलां से फिर शुरू हुई. हालांकि प्रियंका गांधी बुधवार की सुबह राहुल गांधी के साथ पदयात्रा में शामिल नहीं हुईं. सोनिया की तबीयत ठीक होने के बाद प्रियंका एक बार फिर यूपी में जारी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो सकती हैं.

बात की जानकारी मिलते ही तमाम कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सोनिया के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई, हालांकि बाद में ये साफ हो गया कि रूटीन चेकअप के तहत सोनिया गांधी को अस्पताल गया है कि आखिर क्यों सोनिया को अस्पताल में आना पड़ा और उन्हें क्या समस्या है. सर गंगा राम हॉस्पिटल की तरफ से बताया गया है कि ÷सोनिया गांधी को आज हमारे अस्पताल में भर्ती कराया गया

मां से अलग रहती हैं निधि, पड़ोसियों ने किए कई खुलासे

दिल्ली के कंझावला कांड में हर दिन नया खुलासा हो रहा है. 31 दिसंबर और 1 जनवरी की दरमियानी रात को हुई दरिंदगी की घटना से हर कोई सदमे में है. पुलिस जांच में हो रहे खुलासों से केस में कई एंगल सामने आ गए हैं. इस पूरी घटना की मुख्य गवाह निधि (अंजलि की दोस्त) ने कई हैरान करने वाली जानकारियां दी हैं. निधि ने बताया है कि उसकी और अंजलि की दोस्ती महज 15 दिन पहले हुई थी और दोनों काफी कम समय में ही बहुत अच्छे दोस्त बन गए थे. निधि को अंजलि के बॉयफ्रेंड तक के बारे में सबकुछ पता चल चुका था. जिस निधि ने इस मामले में कई अहम खुलासे किए हैं, अब उसके बारे में भी कई बातें पता लगी हैं. अंजलि की दोस्त नीधि ने कई खुलासे किए हैं. उसके पड़ोसियों से एबीपी न्यूज की टीम ने खास बातचीत की. एबीपी की टीम ने निधि से जुड़ी हर अहम जानकारी पता लगाई. निधि के पड़ोसियों ने बताया कि निधि कई सालों से अपनी मां से अलग रह रही थी. पड़ोसियों ने कहा कि निधि का अपनी मां से कोई वास्ता नहीं था. उन्होंने बताया कि निधि की मां भी बहुत लंबे से उससे मिलने नहीं आई थी. निधि के दो भाई हैं. जानकारी के मुताबिक, निधि की मां के घर ताला लगा हुआ है.

श्रद्धा मर्डर केस में एक और डीएनए रिपोर्ट आई, अब होगा पोस्टमॉर्टम

श्रद्धा हत्याकांड में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए रिपोर्ट में श्रद्धा वॉकर के साथ बाल और हड्डी के सैंपल मैच होने की पुष्टि हुई है. स्पेशल छक्कलॉ एंड ऑर्डर सागर प्रीत हुड्डा ने बुधवार (4 जनवरी) को कहा कि दिल्ली पुलिस को सेंटर फॉर ह्यूमन फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स से रिपोर्ट मिल गई है. अब पोस्टमॉर्टम किया जाएगा. श्रद्धा मर्डर केस में जो बाल और हड्डियां मिली थीं उन्हें डीएनए माइटोकॉन्ड्रियल एग्जामिनेशन के लिए हैदराबाद लैब में भेजा था. रिपोर्ट आज मिली है. आफताब पूनावाला पर अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा की हत्या करने और फिर उसके शरीर के 36 टुकड़े करने का आरोप है.

श्रद्धा वॉकर हत्याकांड-उस पर यह भी आरोप है कि उसने शरीर के कटे हुए हिस्सों को दिल्ली और गुरुग्राम के जंगलों में फेंकने से पहले फ्रिज में रख दिया था. श्रद्धा वॉकर और आफताब पूनावाला मुंबई से बीते साल मई के महीने में दिल्ली में शिफ्ट हुए थे. दोनों ने दिल्ली के महरौली इलाके में एक मकान किराए पर लिया था.

हत्या के बाद शव के टुकड़ों को शहर भर में फेका-पुलिस के अनुसार, दिल्ली आने के तीन दिन बाद ही दोनों का शादी की बात और घर खर्च को लेकर झगड़ा हुआ था. इस दौरान आफताब पूनावाला ने श्रद्धा की हत्या कर दी थी. आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए उसके 36 टुकड़े किए और उन्हें फ्रिज में रखा था. वह हर रोज रात को इन टुकड़ों को शहर भर में फेंकना जाता था.

महरौली के जंगल से मिले थे शरीर के अंग-श्रद्धा के पिता ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. जिसके बाद नवंबर में पुलिस की जांच में इस मामले का खुलासा हुआ था. पुलिस ने आफताब को गिरफ्तार किया था जोकि अभी जेल में है. इस मामले में आरोपी का पॉलीग्राफ और नारको टेस्ट भी हो चुका है. पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी की निशानदेही पर महरौली के जंगल और गुरुग्राम से कुछ शरीर के अंग बरामद किए थे.

सीएम शिवराज की सफलता का मंत्र, मंगल को जनता कलेक्टर के पास और बुध को कलेक्टर जनता के बीच

मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बना चुके शिवराज सिंह चौहान की सफलता के एक-दो नहीं बल्कि अनेकों कारण है. इन्हीं कारण में एक उनकी प्रशासनिक कसावट और अधिकारियों के बीच अच्छा तालमेल भी है. जनता को न्याय दिलाने और उनकी सुनवाई के लिए मंगलवार को जनसुनवाई तय की गई है. इस जनसुनवाई में मध्य प्रदेश के सभी प्रशासनिक अधिकारी जनता की शिकायतों का समाधान करते हैं और जब बुधवार आता है तो अधिकारी खुद जनता के बीच निकल जाते हैं. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हमेशा सत्ता और संगठन के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों और सरकार के बीच कोई दूरी नहीं रखी. हमेशा से प्रशासनिक और पुलिस विभाग के आला अधिकारियों के साथ तालमेल बैठाकर सरकार ने कदम आगे बढ़ाया है. यही वजह है कि मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक कुर्सी पर बने हुए हैं. अभी भी वे सत्ता की चाबी हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. वहीं मध्य प्रदेश के डीएम (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) भी पीछे नहीं है. मुख्यमंत्री के निर्देश पर मंगलवार को सभी प्रशासनिक भवनों में सभी विभागों द्वारा जनसुनवाई की जाती है, जिसमें आम लोगों की शिकायतों का समाधान होता है. इसके बाद बुधवार को जिले के कलेक्टर खुद जनता के बीच जाकर कई प्रकार की शिकायतों का समाधान करते हैं.

गांव-गांव में लगाई जा रही है चौपाल-बुधवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में कलेक्टर आशीष सिंह नागदा क्षेत्र के ग्राम लेकोडा आंजना का दौरा किया. इस दौरान गांव में चौपाल लगाई गई एसडीएम आशुतोष गोस्वामी भी

ग्रामीणों के बीच समस्या का समाधान करते हुए देखे गए. कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि वे हर बुधवार ग्रामीण क्षेत्रों में दौरा करते हुए ग्रामीणों की समस्या का समाधान करने के हर संभव प्रयास करते हैं. वे उज्जैन जिले की अधिकांश ग्राम पंचायतों का दौरा तक कर चुके हैं. ग्रामीण जन सीधे उनके संपर्क में रहते हैं. उन्होंने बताया कि मंगलवार को 2 प्रकरणों में 25 हजार की आर्थिक सहायता दी गई. इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक परिवार को फ्लैट की चाबी नहीं मिल रही थी, उसे भी तुरंत दिलवाई गई. इसके बाद जब ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर कुछ समस्याएं देखी जाती है तो उनका भी समाधान किया जाता है. बुधवार को लेकोड़ा आंजना में ग्रामीणों ने प्रस्तुति गृह होने के बावजूद प्रसुति नहीं होने और प्रसूति के लिए 20 किलोमीटर दूर जाने की शिकायत की थी जिसके समाधान करने के निर्देश जारी किए है.

सरकार की योजना जन जन तक पहुंचे-देवास कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने बताया कि सरकार की योजनाएं गांव की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच जाए, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं. ग्रामीणजनों को सरकारी योजना के बारे में जागरूक भी करने का सतत प्रयास जारी है. सभी तहसील और ग्राम पंचायत तक सक्षम अधिकारियों को इस बात के लिए पाबंद किया गया है. मुख्यमंत्री भू अधिकार योजना, आयुष्मान कार्ड आदि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे इसे लेकर सप्ताह में एक दिन समीक्षा बैठक भी की जाती है.

माफिया को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति-मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनता की नब्ज पकड़ते हुए कमलनाथ सरकार में शुरू किए गए माफिया के खिलाफ अभियान को अपनी सरकार में भी बदस्तूर जारी रखा. मध्य प्रदेश के इंदौर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर सहित अन्य संभागीय मुख्यालयों व अलग-अलग जिलों में माफियाओं के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ कार्रवाई की गई है. सरकार ने हजारों हेक्टेयर जमीन माफिया से छुड़ा लिए इसे जरूरतमंद लोगों को भूखंड और सरकारी योजनाओं के अन्य प्रयोजन में उपयोग में लाने की योजना तैयार की है.

गुजरात चुनाव में क्यों और कैसे हुई कांग्रेस की हार?

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों से चुनावों में कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन काफी बुरा रहा है, आलम ये है कि पार्टी की अब गिने-चुने राज्यों में ही सरकार बची है. हाल ही में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को करारी हार झेलनी पड़ी, जिसे लेकर अब चिंतन शुरू हो गया है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसके लिए एक कमेटी तैयार की है, जो इस बात की रिपोर्ट उन्हें सौंपेगी कि गुजरात में पार्टी की हार के पीछे क्या बड़ी वजहें रहीं.

दो हफ्ते में सौंपी जाएगी रिपोर्ट-मल्लिकार्जुन खरगे की तरफ से तीन सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई गई है. इस कमेटी का काम ये होगा कि वो गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की कमियों को लिखित रूप से अध्यक्ष को सौंपे. अगले दो हफ्तों में पार्टी अध्यक्ष खरगे को ये रिपोर्ट सौंपी जाएगी. पार्टी की ओर से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तरफ से गठित इस कमेटी की अध्यक्षता महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री नितिन राउत करेंगे. बिहार विधानसभा के सदस्य शकील अहमद खान और सांसद सप्तगिरि उलका को इस समिति का सदस्य बनाया गया है. यह कमेटी दो सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट खरगे को सौंपेगी.

कांग्रेस का खराब प्रदर्शन-पिछले महीने हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन किया और उसे 182 सदस्यीय विधानसभा में सिर्फ 17 सीटें मिलीं. वहीं बीजेपी ने 156 सीटें हासिल करके ऐतिहासिक जीत दर्ज की. जबकि पिछले चुनाव में कांग्रेस ने बीजेपी को कांटे की टक्कर दी थी. इस बार कांग्रेस के बड़े नेता भी गुजरात से दूर रहे, राहुल गांधी इस दौरान भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त थे. जिसके बाद विरोधी दलों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस गुजरात में सरेंडर कर चुकी है. वहीं इस बार चुनाव में आम आदमी पार्टी भी मैदान में उतरी थी, जिसने पांच सीटों पर जीत दर्ज की.

पाली राजस्थान पधारो म्हारे देश महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जंबूरी कार्यक्रम का किया शुभारंभ

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बच्चों के संग गाया बोले हम होंगे कामयाब

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता नरेश कुमार सिरवी

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्टेडियम पहुंची।

स्काउट गाइड के लिए झोपड़िया बनाई गईयहां अस्थाई

रिको क्षेत्र में आयोजित हो रही। 18 वीं राष्ट्रीय जंबूरी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी संबोधित करते हुए कहा

00 गुणा 1000 फीट का बनाया गया है

पाली राजस्थान । पाली जोधपुर बॉर्डर पर नीम्बली गांव में 18 वीं नैशनल स्काउट गाइड जंबूरी का उद्घाटन शुभारंभ महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय राजस्थान दौरे पर पहुंची।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जयपुर और माउंट आबू के बाद पाली जिले के कस्बे में आयोजित हो रही 18 वी राष्ट्रीय जंबूरी स्काउट गाइड कार्यक्रम का शुभारंभ करने के लिए अपने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ध्वजारोहण कार्यक्रम के साथ-साथ स्टेडियम का निरीक्षण किया।

यह राजस्थान की अब तक की दूसरी जंबूरी हैं। इससे पहले राजस्थान में 1956 में पहली जंबूरी जयपुर में आयोजित हुई थी। 65 साल बाद राजस्थान को दूसरी बार मौका मिला । ऐसे में इस बार इसको लेकर तैयारियां भी खास हैं। राष्ट्रपति के आने से पहले प्रशासनिक अधिकारी और स्काउट गाइड के अधिकारी व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। । यहां देश-विदेश से आए 35000 गांव ऐसा लग रहा था मानो अभी-अभी गांव बसाया गया है। 3500 झोपड़िया स्काउट गाइड और ऑफिसर के लिए बनाई गई। जो देखने में काफी अच्छी लग रही हैं। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू निर्धारित कार्यक्रम के तहत दोपहर 3:07 पर हेलीकॉप्टर से जंबूरी स्थल पर बने हेलीपैड पर पहुंची । इसके बाद स्टेडियम पहुंची और कार्यक्रम में शामिल हुईं। ।कार्यक्रम में बिना पास किसी को एंट्री नहीं दी जा रही हैं। कार्ड के बिना किसी को एंट्री नहीं दी जा रही। ।जिले के नीम्बली गांव रोहट के निकट की सुरक्षा व्यवस्था यहां काफी सख्त नजर आ रही है। हजारों पुलिसकर्मी और सुरक्षाकर्मी यहां तैनात नजर आए। बिना प्रवेश कार्ड के किसी को भी एंट्री नहीं दी जा रही हैं।महामहिम राष्ट्रपति ने जंबूरी में संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड देश का सबसे बड़ा संगठन है। इसमें 24 लाख स्काउट गाइड हैं ।लेकिन इसकी संख्या बढ़ाने की जरूरत है।स्काउटिंग आपका जीवन संवारने का काम करती हैं ।इस दौरान उन्होंने स्काउट गाइड के बच्चों के साथ हम होंगे कामयाब गीत भी गाया। इससे पहले कि स्काउट गाइड बनना गर्व की बात है। स्काउटिंग में हम संस्कार और सोशल सर्विस सीखते हैं ।सीएम ने कहा कि राष्ट्रपति का आना हमारे लिए गर्व की बात है। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। बीएसएफ की ओर से आसमान में सूर्य किरण विमान से करतब भी दिखाए गए।

जंबूरी की खास बात बाते- .220 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला जंबूरी स्थल. देश-विदेश से आने वाले 35000 स्काउट गाइड लेंगे हिस्सा। 14 स्टेडियम। 50 बेड का हॉस्पिटल भी बनाया गया। रहने के लिए बनाए 3500 टेंट। 17 शौचालय और 1200 नाम घर बनाए गए स्नानघर बनाए गए। दो हेलीपैड बनाए गए आयोजन स्थल पर। 27 किलोमीटर लंबी ग्रेवल सड़क बनाई गई। 580 मीटर लंबी डामर सड़क में डिवाइडर तैयार कर रहा रिको। 6 लाख लीटर क्षमता की पेयजल टंकी बनाई गई।नगर परिषद के 150 सफाई कर्मी व्यवस्था में जुटे रहेंगे।

मनरेगा योजना में आ रही विसंगतियों को लेकर सरपंच संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नरेंद्र सिकरवार पत्रकार गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

कैलारस- मुरैना /सरपंच संघ ब्लॉक कैलारस द्वारा आज जनपद पंचायत सभागार में सरपंच संघ की बैठक बुलाई गई जिसमें मनरेगा योजना में आ रही विसंगतियों को लेकर कार्यों में आ रही विसंगतियों को लेकर चर्चा हुई चर्चा उपरांत 4 सूत्रीय मांग पत्र सरपंच संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कैलारस को सौंपा गया।इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट अनुराग लक्ष्मी दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनरेगा में कार्य करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है मजदूरी की दर काफी कम है कार्य दिवस भी काफी कम है इतना ही नहीं मजदूरों के खाते में राशि डालने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है प्राक्कलन में सामग्री दर मैं भी विसंगति है इन सब को लेकर आज हमने बैठक बुलाई है बैठक में 4 सूत्रीय मांग पत्र तैयार किया गया है जिसमें हमारी मांगे हैं मनरेगा में मजदूरी की दर बढ़ाई जाए मजदूरी के कार्य दिवस बढ़ाकर 200 दिन किए जाएं पंचायत के मास्टर पर अंकित खाते में ही राशि डाली जाए प्राक्कलन में सामग्री दर 70त्न और मजदूरी दर 30त्न की जाए इन मांगों को लेकर हमने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन मुख्य कार्यपालन अधिकारी के माध्यम से सौंपा है आगे भी हम अपने संगठन के स्तर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मार्गदर्शन ले राज्य स्तर पर इन मांगों के संबंध में आंदोलन की रणनीति बनाने का कार्य करेंगे ताकि मनरेगा योजना में आ रही विसंगतियां दूर की जाएं और मजदूरी की दर बढ़ाई जा सके।इस अवसर पर सरपंच संघ के सचिव राम लखन यादव ने भी अपने विचार रखे।इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में सरपंच सोनी राजेंद्र शाक्य ,हेमंत शर्मा, रामप्रकाश कुशवाहा, श्रीमती धाकड़, जगदीश सिंह, बसंती, मुकेश शर्मा ,अनिल शर्मा, अशोक शर्मा राजेंद्र यादव निरपाल यादव सहित जनपद पंचायत के समस्त सरपंच उपस्थित रहे!

कार्यकर्ता लोकसम्पर्क के माध्यम से सर्वसमाज के व्यक्ति को भाजपा से जोडकर अपने बूथ केन्द्र को मजबूती दिलाने का कार्य करें : रामशंकर कठेरिया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मप्र भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी एवं इटावा सांसद रामशंकर कठेरिया ने कहा कि बूथ स्तर का कार्यकर्ता ही हमारे संगठन की रीड है। जो कि समर्पित भाव से विचार के लिए काम करता है। मिशन 2023 का विधानसभा चुनाव नहीं है यह लोकसभा चुनाव है अभी से ही हमें अपने प्रत्येक मण्डलों के बूथ केन्द्र पर लोक सम्पर्क के माध्यम से गांव के अंतिम छोर तक के सर्वसमाज को भाजपा से जोडकर संगठन को मजबूती दिलाने का काम करें। और स्थानीय समितियों में सर्व समाज का प्रतिनिधित्व हो इसके लिए हमें अपने टोली का भौतिक सत्यापन कराकर मजबूती दिलाने का काम करें। यह उद्गार उन्होंने भिण्ड जिले के एक दिवसीय प्रवास के तहत संस्कृति गार्डन में भाजपा जिला पदाधिकारी एवं मण्डल अध्यक्ष तथा मोर्चा के प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश मंत्री केशव सिंह भदौरिया, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य जिला संगठन के प्रभारी जयप्रकाश राजौरिया, पार्टी जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णकांता तोमर, जिलामहामंत्री धर्मसिंह भार्गव, पूर्व जिलाध्यक्ष रविसैन जैन मंचासीन थे। प्रदेश सह प्रभारी सांसद कठेरिया ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मिशन 2023 की विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुये कहा कि हम सब पार्टी संगठनात्मक परिवार होने के नाते अपने बूथ को मजबूती दिलाने का कार्य कर अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करें, ताकि हम चुनाव जीतकर जिले की पांचों विधानसभाओं में भारतीय जनता पार्टी को जिता सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद और हिन्दुत्व की विचारधारा को लेकर तथा गरीब, मजदूर, किसानों, पीडितों, शोषितों के लिए अन्त्योदय की विचारधारा को लेकर योजनाओं को बनाकर उन्हें आत्म निर्भर विकास की दिशा से जोड रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि कार्यकर्ता सामाजिक दृष्टि से सर्वसमाज को बूथ केन्द्र पर संगठित कर अपनी विचारधारा से जोडने का कार्य करें, भाजपा सर्वसमाज की पार्टी है, जब हम बूथ केन्द्र को मजबूत करेंगें तब हम अपनी चुनावी लडाई को जीत सकेगें। हमस ब संगठन के जिम्मेदार कार्यकर्ता हैं, सभी मोर्चा प्रकोष्ठ एवं मण्डल के पदाधिकारी अपने-अपने मण्डलों के प्रत्येक बूथों पर प्रवास कर संगठन को ताकतबन बनाकर कार्य करें। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री केशव सिंह भदौरिया ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओं को उन तक पहुंचानें तक हमारे बूथ के कार्यकर्ता करें ताकि गरीब, शोषित उन योजनाओं का लाभ अच्छे से ले सकें, और तभी हमारी जनकल्याणकारी योजनाऐं अच्छे से धरातल पर चला पाएगीं। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य जिला संगठन प्रभारी जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि सत्ता और संगठन की कार्ययोजना को कार्यकर्ता पूर्णरूप् से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूर्ण रूप् से करते हुय कार्य करें, और जो हमें प्रदेश संगठन के प्रभारी द्वारा जो संगठनात्मक टिप्स दिये गये हैं उन्हें बूथ केन्द्र पर उतारने का काम हम सबको करना है।

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया ने कहा कि संगठनात्मक बैठकों की अध्यक्षता करते हुये कहा कि बूथ केन्द्र की संरचना को हम मजबूती देते हुये पार्टी के सभी संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रभावी बनाकर बूथ को मजबूत करें, यह चुनावी वर्ष है, और बूथ की सरंचना हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है। हम पूर्ण कर्तव्यनिष्ठ ईमानदारी के साथ पार्टी हित में काम करें तो इसी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में 200 सीटों पर विजयी होकर पुन सत्ता पर काबिज होंगें। बैठक का शुभारंभ भारत माता भारतीय जनसंघ के प्रेरणास्रोत संगठन के वट वृक्ष पण्डित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के छायाचित्रों पर दीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण किया। संचालन जिलामहामंत्री धीर सिंह भदौरिया एवं आभार व्यक्त महाराणा प्रताप मण्डल अध्यक्ष शेरू पचौरी द्वारा किया गया। अतिथियों का माल्यार्पण जिला उपाध्यक्षों में सतेन्द्र सिंह भदौरिया, अनिल कटारे, शिवराज सिंह यादव, राघवेन्द्र सिंह भदौरिया, जिलामंत्रियों में उपेन्द्र राजौरिया, पिंकी शर्मा ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। बैठक में समस्त जिले के पदाधिकारी मण्डल अध्यक्ष, महामंत्री, मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी मौजूद थे। वहीं उन्होंने सभी जन प्रतिनिधियों से संगठनात्मक एवं चुनाव को दृष्टिकोण रखते हुये चर्चा की। बैठक के अंत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माताजी श्रीमती हीरा बेन के निधन पर संस्कृति मैरिज गार्डन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा के तहत छायाचित्र पर प्रदेश सह प्रभारी रामशंकर कटेरिया सहित सभी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुये शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

कहीं बारिश तो कहीं ठंड के आगोश की शीत लहर से कंपकंपाया बालाघाट

बादल की ओट में छिपा रहा सूरज - तो जैकेट में दुबका रहा इंसान

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

4 जनवरी बुधवार को सुबह से ही ठंड का खासा असर देखा गया। जिले की सभी विकासखण्ड के गांवों में शीतलहर और बादलो में सूर्य के छिपे रहने से कोहरे व ठंड का असर महसूस किया गया। वहीं पुरे दिन लांजी सहित क्षेत्र के ग्रामो में रूक रूक कर हल्की हल्की बारिश सुबह से ही देखी गई। मौसम विभाग की माने तो आगामी दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है जिससे ठंड और बढने की संभावना है । बुधवार को भी सुबह से ही ठंड का खासा असर देखा गया और जैसे - जैसे दिन ढलता गया , ठंड बढ़ती चली गई। शीत लहर ने ठिठुरन पैदा कर दी है और हवाओं का रुख ठंडा होने से ठंड बढने लगी है। इस तरह के मौसम को देखने से प्रतित होता है कि यह शीत लहर का येलो अलर्ट है। खासकर वनांचल ग्रामों में इन दिनों ठंड का असर खासा दिखाई दे रहा है । ठंड ने लोगों को कंपकपा दिया है और जल्द ही लोगों को हाड?ांप ठंड का भी अहसास होगा। साथ ही हल्की बूंदाबांदी की और भी संभावना है। क्षेत्र में ठंड से बचाव को लेकर नपा द्वारा रात में घूमने वाले, रिक्शें वालों और बेसहारों लोगों के लिए ठंड से बचाव के लिए अलाव की व्यवस्था की गई है। वहीं कोहरे की वजह से सड? मार्ग पर आवागमन कर रहे वाहन चालक डिपर लाइट जलाकर वाहन चलाने मजबूर दिखाई दिये।

धान की खरीदी पर भी होगा असर- ांजी क्षेत्र के अनेको धान खरीदी केन्द्रो में बडी मात्रा में धान की खरीदी की जा रही है लगभग सभी केन्द्रो कई क्विंटल धान रखा हुआ है जिसका उठाव होना बाकी है, वहीं लांजी क्षेत्र में शीतलहर और बाद बारिश का होना भी इन खरीदी केन्द्रो पर असर डालेगा, अगर धान खरीदी केन्द्रो में रख रखाव की समुचित व्यवस्था नही कि जायेगी तो निश्चित रूप से धान खराब हो सकती है। खरीदी केन्द्रो मे जिन किसानो की धान पंहुच चुकी है और खरीदी नही हुई है उन किसानो को भी चिंता सता रही है, दुसरी ओर यदि मौसम ऐसा ही बना रहा तो किसान दो से तीन दिनो तक केन्द्रो में धान को ना लेकर आये जिससे उनका धान खराब होने बच सकता है।

कैलारस राधिका पेलेस में भागवत कथा के पांचवे दिन भक्तों ने लिया कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद

मुरैना से गौरब शर्मा पुष्पांजलि टुडे

कैलारस-अग्रवाल महिला मंडल द्वारा राधिका पेलिस कराई जा रही भागवत कथा में पांचवे दिन गोवर्धन पूजा एव कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद लियाअग्रवाल महिला मंडल दुबारा राधिका पेलिस में 31-दिसम्बर -2022 से प्रारंभ होकर 7जनवरी 2023 तक भागवत कथा कराइ जा रही हैं कथा के पांचवे दिन कथा कथावाचक पं श्री शत्रुघ्न बालोठिया (बिट्टू) मामचोन बालो के दुबारा मधुर वाणी से कथा पंडाल में उपस्थित सेकड़ौ महिला पुरुष भक्तों को कथा सुनाई एव कृष्ण भगवान की बाल लीलाओं के बारे में उन्होंने बताया किस प्रकार से कृष्ण भगवान ने बाल लीलाएं की बही भागवत कथा में छोटे छोटे बच्चो दुबारा कृष्ण भगवान की बाल लीलाएं ने भागवत कथा में भक्ति संगीत पर नाचने पर मजबूर कर दिया बही आज की भागवत कथा में जौरा ब्लॉक अध्यक्ष भानु प्रताप अपने परिवार सहित पहुचे ओर कथा बाचक पंडित से आशीर्वाद प्राप्त किया अग्रवाल महिला मंडल दुबारा सभी से कहा कि अधिक संख्या में राधिका पैलेस में होने वाली भागवत कथा में उपस्थित होकर कथा का आनंद लें बही अग्रवाल मंडल द्वारा पूर्व में भी कई धार्मिक कार्य कराए गए हैं एवं अभी हाल ही में अग्रवाल महिला मंडल द्वारा आदिवासी क्षेत्र में जाकर वस्त्र वितरण का कार्य किया गया था अग्रवाल महिला मंडल द्वारा लगातार धार्मिक कार्य शहर किये जा रहे हैं वही यह भागवत कथा अग्रवाल महिला मंडल द्वारा जन सहयोग से कराई जा रही है

ग्रंथालय भारती ,सौराष्ट्र प्रांत से प्रेरित श्री माधव झोला पुस्तकालय का शुभारंभ

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय चरित्र निर्माण एवं राष्ट्रीय वैचारिक पुनरुत्थान हेतु जब कभी भी आवश्यकता उत्पन्न हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने तरीके से नए-नए आयामों की रचना की है। हमारी परम वैभवी सांस्कृतिक विरासत एवं साहित्य के प्रचार प्रसार हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा सन 2014 में ÷ग्रन्थालय भारती÷ संस्था का गठन किया गया । जिसका केंद्र नागपुर है ।आज देश के प्रमुख प्रांतों में उसका कार्य हो रहा है उसी प्रकार सौराष्ट्र प्रांत में भी दिनांक 13 दिसंबर 2022 के रोज ग्रन्थालय भारती प्रेरित÷श्री माधव झोला पुस्तकालय÷ का शुभारंभ सौराष्ट्र प्रांत के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र भाई दवे के वरदहस्त से किया गया।सौराष्ट्र प्रांत सह व्यवस्था प्रमुख डॉक्टर नरेंद्र भाई दवे ने अपने वक्तव्य में कहा कि ÷ आज छात्र-छात्राएं पाठ्यपुस्तक के द्वारा उच्च गुणांक प्राप्त कर रहे हैं परंतु व्यवहारिक जीवन में वे निष्फल होते दिखाई देते हैं । मोबाइल की अति सोबत के कारण वे एकाकी हो रहे हैं ,इस हेतु नियमित शाखा में आने से स्वयंसेवक मैदान के खेल द्वारा शरीर स्वास्थ्य प्राप्त करेंगे साथ ही साथ झोला पुस्तकालय द्वारा सत् साहित्य के पठन के द्वारा बौद्धिक विकास एवं श्रेष्ठ चारित्र्य निर्माण कर सशक्त नागरिक बनेंगे और राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान करेंगे।÷ इस समय ग्रंथालय शास्त्र के विशेषज्ञ व संयोजक एवं रैयानगर के संघचालक जी माननीय श्री दिलीप भाई भट्ट ने अपने प्रासंगिक वक्तव्य में कहा कि ÷ आज का युग माहिती एवं ज्ञान का युग है, जो देश ज्ञान समृद्ध होगा वही देश विश्व स्तर पर प्रभावशाली बनेगा । भारत देश में गौरवशाली प्राचीन विद्यापीठ एवं समृद्ध ग्रन्थालय थे । यहां तक की उसके ग्रन्थालय विश्व भर में प्रख्यात थे ।तक्षशिला विद्यापीठ नालंदा विद्यापीठ वल्लभी विद्यापीठ इत्यादि में देश-विदेश के छात्र-छात्राएं अध्ययन एवं शोध कार्य हेतु भारत देश आया करते थे।कालांतर में विदेशी आक्रमण के कारण यह तीन मंजिला ज्ञान समृद्ध ग्रन्थालय को आक्रांताओं ने लूटा और जलाया ।इसके साथ ही विशाल ज्ञान स्वरूप ग्रंथ नष्ट हुए । ईतिहासकार ने लिखा है कि, जलाए हुए ग्रन्थालय के ग्रंथो की ज्वालाएं 6 माह तक प्रज्वलित रही .. ! !हमारी गौरव युक्त प्राचीन संस्कृति का अमूल्य साहित्य धन नष्ट हो गया। इस धन का पुनरुत्थान तथा संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार हो उस हेतु इस झोला पुस्तकालय का निर्माण किया गया है ।आधुनिक युग में मोबाइल का विशेष उपयोग होने के कारण पठन-पाठन में अभिरुचि कम होती जा रही है ।ऐसी स्थिति में सुज्ञ पाठकों को पुनः ग्रंथालय अभिमुख

बनाने हेतु हमारे ज्ञान के भंडार समान साहित्य विरासत का पठन-पाठन हो ऐसे शुभ हेतु से यह झोला पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया है ।अपने स्थान से 1 इंच भी हिले डू ले बिना समग्र पृथ्वी का प्रवास इस पुस्तक के द्वारा हम कर सकते हैं।वर्तमान समय में पाठक ग्रंथालय तक पहुंचने में असमर्थ हैं ।उसके पास समय नहीं है ।ऐसी स्थिति में यह झोला पुस्तकालय घर बैठे किताब पहुंचाने की व्यवस्था में लगा है।झोला पुस्तकालय रैयानगर के निकटतम 10 मिलन केंद्र स्थान के ऊपर से अपनी रस एवं रूचि के अनुसार के पुस्तक सबको वितरीत करेगा । अमर चरित्र कथाएं ,महापुरुषों का जीवन चरित्र, पर्यावरण,,योग, आयुर्वेद, राष्ट्रीय चरित्र निर्माण और अन्य ज्ञान विज्ञान के पुस्तक झोला पुस्तकालय में विनामूल्य उपलब्ध कराएगे। इस कार्यक्रम में पीडीयू मेडिकल कॉलेज के ग्रंथपाल डॉ .राजेश त्रिवेदी नगर कार्यवाह श्री भरत भाई जोशी के उपरांत बड़ी तादात में स्वयंसेवक उपस्थित रहे थे।इस कार्यक्रम का संचालन चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री तेजसभाई सोढा ने किया था ।इस पुस्तकालय को स्वावलंबी बनाने हेतु भेंट के रूप में पुस्तक स्वीकार की योजना कार्यान्वित है। अधिक माहिती हेतु चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री तेजसभाई सोढा मोबाइल नंबर 94283 74471 का संपर्क करने की सूचना जारी की गई है।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी: संभाग आयुक्त

ग्वालियर । राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई होगी । निर्धारित समय में राजस्व प्रकरणों का निराकरण न करना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय ग्वालियर में राजस्व प्रकरणों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए हैं। राजस्व प्रकरणों की समीक्षा बैठक के दौरान संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि तीन माह से अधिक नामांतरण, सीमांकन और बँटवारे के जो प्रकरण लंबित हैं उनसे संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाएँ। इसके साथ ही 30 जनवरी 2023 तक सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। 30 जनवरी को ऑनलाइन प्रकरणों के निराकरण की रिपोर्ट देखी जायेगी। रिपोर्ट में भी अगर प्रकरण लंबित पाए गए तो ऐसे राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई होगी। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने कहा है कि नामांतरण के ऐसे मामले जिनमें शासकीय भूमि का नामांकरण न्यायालयीन आदेश से किया जा रहा है। ऐसे सभी मामलों की जाँच के लिये एक सेल गठित किया जाए। सेल के माध्यम से प्रकरणों में देखा जाए कि किस प्रभारी अधिकारी अथवा राजस्व अधिकारी के कारण शासकीय भूमि का नामांतरण किया जा रहा है। ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध भी कार्रवाई की जाए। आवश्यकता हो तो ऐसे अधिकारियों की विभागीय जाँच भी प्रस्तावित की जाए। समीक्षा बैठक के दौरान सभी अनुविभागीय अधिकारी राजव को निर्देशित किया गया

अम्बाह पुलिस ने अपहृता नाबालिक बालिका को 24 घन्टे में दस्तयाब कर माता पिता को किया सुपुर्द

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह।पुलिस अधीक्षक आशुतोष द्वारा मुरैना जिले में गुम होने वाले नाबालिक बालक , बालिकाओ की दस्त्यावी कर उनके माता पिता को सुपुर्द करने के संबंध में चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राय सिह नरवरिया एवं एसडीओपी अम्बाह परमाल सिह मेहरा द्वारा समय समय पर दिये जा रहे निर्देशो के पालन में आज दिनांक 04/01/23 को एक नाबालिक बालिका उम्र करीबन 15 साल को अम्बाह पुलिस द्वारा तत्पर्ता दिखाते हुये लगन व मेहनत से काम कर थाना अम्बाह के अपराध क्र .03 / धारा 363 ताहि मे 24 घन्टे में दस्तयाव कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया इस सफलता में सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी जितेन्द्र नगाइच , उनि. , विवेक शर्मा आर . 716 जोगेन्द्र आर .339 सतेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही है ।

मालनपुर नगर वार्ड नं 5 बनाई रोड़ का सैंपल लिया

नगर परिषद मालनपुर हरी राम पुरा वार्ड क्रमांक 5 में बनाई गई 100 मीटर रोड का आज नगर पालिका इंजीनियर प्रशांत सिंह ने कोर कटिंग मशीन मगाकर जगह-जगह से सैंपल भरे जो लैब में भेजे जाएंगे इसकी रिपोर्ट आ जाएगी उसके बाद यह पता चलेगा कि ठेकेदार द्वारा किस प्रकार की से मटेरियल डालकर निर्माण कराया गया है जिससे रोड़ की गुदवत्ता का पता चलेगा नगर परिषद इंजीनियर ने बताया कि नगर में जिस जगह भी रोड बनाई जाएगी वह हर जगह का सैंपल लैब में भेजा जाएगा उसके बाद ही गुणवत्ता की सही जानकारी मिल सकेगी

अनामा महोत्सव कार्यक्रम में युवाओं ने किया उत्साह से रक्तदान

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू-राघव नगरा हॉयसाला कनडा युवक संघ द्वारा आयोजित अनामा महोत्सव में विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा अर्चना कर अन्ना संतर्पण कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस अवसर पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया एकत्रित रक्त का संग्रहण मेडिस्कोप ब्लड बैंक ने किया संघ के सदस्यों ने को सम्मानित किया ।

शीतलहर के चलते 07 जनवरी तक नर्सरी से कक्षा 5 तक अवकाश

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

जिले में इस दिनों पड़ रही शीतलहर के कारण स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को देखते हुए कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा ने प्रात- कालीन पाली में लगने वाली शालाओं के समय में परिवर्तन किया है। जिसके अनुसार जिले में प्रात- कालीन पाली में लगने वाली समस्त शालायें आगामी आदेश तक अब प्रात- 9.30 बजे से लगेंगी। लेकिन राज्य स्तर से निर्धारित विभिन्न परीक्षायें निर्धारित समय पर ही आयोजित की जायेगी। इसी प्रकार नर्सरी से कक्षा 05 तक के बच्चों के लिए 05 से 07 जनवरी 2023 के लिए सामान्य अवकाश घोषित कर दिया गया है। अवकाश अवधि के दौरान शिक्षक निर्धारित समय पर प्रतिदिन शाला में उपस्थित रहेंगें। यह आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है और जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, आईसीएसई एवं सीबीएसई से संबंध सभी शालाओं पर लागू रहेगा।

पोरसा पुलिस द्वारा लूट व नकबजनी के आरोपी गिरफ्तार कर 40 हजार रूपये का मसरूका बरामद

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह

पोरसा।पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी , व अति. पुलिस अधीक्षक राय सिंह नरवरिया द्वारा संपत्ती संबंधी अपराधियों को पकडने हेतु चलाये जा रहे अभियान के दौरान परिमाल सिंह मेहरा , एसडीओपी, अंबाह द्वारा अवैध हथियारों को पकड़ने के संबंध में लगातार निर्देश प्राप्त हो रहे थे , जिस पर से पोरसा टीआई रामपाल सिंह जादौन के नेतृत्व में टीम गठित कर दिनांक 03/01/23 को संदेहीयों के आधार पर तीन आरोपियों को गिर. किया गया पूछताछ पर पोरसा थाना अंतर्गत दो घटनाएं करना स्वीकार किया बाद आरोपीगणों के कब्जे से थाना पोरसा के अप 0 क 0 607/22 धारा 392,336 ता 0 हि 0 11/13 एमपीडीपीके एक्ट में लूटा गया माल एक सोने का मंगलसूत्र कीमती 16 हजार रूपये व नगद 5000 रूपये बरामद किये गये तथा थाना पोरसा के अप 0 क 0 1/23 धारा 457,380 ता श हि 0 मे चोरी हुए घंटों में से 10 घंटे आरोपियों के कब्जे से बरामद किये गये तथा काली माता मंदिर छत्तरपुरा के दान पेटी से चोरी किये गये लगभग 3 हजार रूपये बरामद किये गये । बाद आरोपीगणों को जेल भेजा गया । उक्त सराहनीय कार्य में महत्वपूर्ण योगदान थाना पोरसा से थाना प्रभारी

आरपीएस जादौन , उप निरी शिवम सिंह चौहान , उनि 0 दुर्गेश सिंह भदौरिया , उप निरी 0 एमएल मौर्य , सउनि आरडी इंदौरिया , सउनि केशव सिंह रमन , एचसी नीरज सिंह , आर 0 1325 सुभाष गुर्जर , आर 0 404 नरेन्द्र सिंह भदौरिया , आर 0 गोविंद भदौरिया , आर 0 पुष्पेन्द्र सिंह , आर 0 उमेश यादव , आर 0 प्रदीप लोधी , आर 0 सर्वेश शाक्य , आर 0 कप्तान सिंह चालक मनोज की अहम भूमिका रही ।

सोशल वर्कर्स एसोसिएशन का नव वर्ष मिलन समारोह संपन्न

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर- ग्वालियर के निजी होटल में सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर के तले सभी सामाजिक संस्थाओं का नववर्ष मिलन समारोह संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल, विशिष्ट अतिथि एडिशनल एसपी राजेश दंडोतिया , विशिष्ट अतिथि डिप्टी कमिश्नर अमरसत्य गुप्ता उपस्थित थे कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया मंच का संचालन समाजसेवी अनुपम तिवारी द्वारा किया गया कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संस्थापकों तथा प्रतिनिधियों द्वारा स्मार्ट सिटी, स्वक्ष ग्वालियर ,पर्यावरण युक्त ग्वालियर, पॉलिथीन से बचाव आदि विषयों पर विचार विमर्श किया गया साथ ही अपने उद्बोधन में नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल द्वारा स्वच्छता अभियान पर विशेष जोर दिया ताकि हम मध्य प्रदेश में स्वच्छता अभियान पर पहले पायदान पर आ सके साथ ही उन्होंने किया आह्वान भी किया कि नगर निगम के कार्यक्रम जिला प्रशासन के कार्यक्रमों में सभी सामाजिक संस्थाएं अपनी भागीदारी दे सकें ताकि कार्यक्रम की योजना का लाभ ग्वालियर के हर नागरिक को मिल सके नगर निगम कमिश्नर किशोर कान्याल ने सामाजिक संस्थाओं को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया ताकि सामाजिक संस्थाएं नगर निगम के साथ मिलकर ग्वालियर के विकास में भागीदारी सुनिश्चित कर सकें नगर निगम की तरफ से सभी सामाजिक संस्थाओं से यह आव्हान भी किया गया कि ग्वालियर के सौंदर्यीकरण में जो सेल्फी प्वाइंट विकसित किए गए हैं उनका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार हो सके 7 आने वाले समय में नगर निगम सभी सामाजिक संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर अपने साथ चलने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा एडिशनल एसपी राजेश दंडोतिया ने सामाजिक संस्थाओं के किए गए कार्यों की प्रशंसा की और साइबर क्राइम बैंक में होने वाले धोखाधड़ी और भी सोशल मीडिया पर होने वाली धोखाधड़ी के

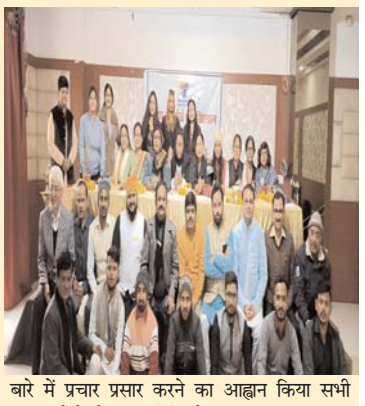

बारे में प्रचार प्रसार करने का आह्वान किया सभी अतिथियों ने सोशल वर्कर्स एसोसिएशन द्वारा सामाजिक संस्थाओं को एक मंच पर लाने की इस पहल की

सराहना की कार्यक्रम में 45 से अधिक सामाजिक संस्थाएं मौजूद रहीं कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को तुलसी का पौधा एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।।

स्वर्ण पदक विजेता मुकुंद देव अग्रवाल को खेल मंत्री चांदना ने राष्ट्रीय ध्वज सौंपा

पुष्पांजली टुडे

जयपुर। युवा, खेल एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री अशोक चांदना ने आज यहां अपने सचिवालय स्थित कार्यालय में टेबल टेनिस 75 प्लस वर्ग चैंपियन-2021 के राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता मुकुंद देव अग्रवाल को राष्ट्रीय ध्वज प्रदान किया जो इसी माह चैंपियन डबल में अरुण सिंह बारहठ (जोधपुर) के साथ ओमान (मस्कट) में हो रही टेबल टेनिस 75 प्लस वर्ग की विश्व प्रतियोगिता में खेलेंगे। खेल मंत्री अशोक चांदना ने वर्ष 2021 की श्रीनगर में स्वर्णपदक जीतकर राजस्थान का गौरव बड़ाने वाले मुकुंद देव

अग्रवाल को शॉल ओड़ाकर और माल्यार्पण कर भारतीय टीम का ध्वज बुलंद रखने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुकुंद अग्रवाल के साथ मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी फारूक आफरीदी, वरिष्ठ रंगकर्मी हरिनारायण शर्मा, राहुल मोदी, हार्दिक मोदी, ओपी शर्मा और अन्य महानुभाव उपस्थित थे। आज ही सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव ने भी मुकुंद देव अग्रवाल और उनकी टीम को अपनी शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि यह टीम ओमान में विश्व टेबल टेनिस वरिष्ठ वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके भारत के परचम के साथ विजयी होगी।

मिशन 2023 के मप्र विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता बूथ की रचना को लेकर कार्य करेंगें : सांसद रामशंकर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो दावा किया है मप्र में कांग्रेस की सरकार बनाएगें वह पूर्णत निराधार है उसमें कोई सच्चाई नहीं, सरकार भाजपा ही बनाएगीभिण्ड । प्रदेश सहप्रभारी एवं इटावा सांसद रामशंकर कटेरिया ने पत्रकारों से रूबरू होते हुये कहा कि राहुल गांधी ने जो दावा किया है कि मप्र में कांग्रेस सरकार बनाने का जो दावा किया है इसमें कोई सच्चाई नहीं हैं यह पूर्णत निराधार है, यह बात तो उन्होंने गुजरात विधानसभा चुनाव में भी कही थी, लेकिन वहां सफलता नहीं मिली तो अब मप्र की बात कहने लगे। प्रदेश सहप्रभारी कटेरिया ने भिण्ड सर्किट हाउस में रूबरू होते हुये कहा कि भाजपा मिशन 2023 के विधानसभा चुनाव में पूरे मध्यप्रदेश के संगठनात्मक जिलों के सभी मण्डलों एवं बूथ केन्द्रों पर कार्यकर्ताओं को सक्रियता के साथ कार्य कर रही है। चुनाव

जीतने का मुख्य हमारा आधार मतदान केन्द्र है, जहां भाजपा पार्टी का बूथ माइक्रो मेंटीनेंस के लिए हम कार्य कर रहे हैं, और ताकि हमारी सत्ता व संगठन की ताकत मजबूत बनें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने तय किया है कि कांग्रेस जो वर्षों से विधानसभाओं को जीत रही है ऐसी सीटों को चिन्हित कर लिया गया है और वहां अपनी संगठनात्मक ताकत को मजबूती देते हुये भाजपा को जिताने के लिए कार्यकर्ता अपनी कार्ययोजना को लेकर जुट गये हैं। उन्होंने पत्रकारों द्वारा पूछे गये लहार विधानसभा के प्रश्न का जबाब देते हुये कहा कि लहार में हमारा संगठन मजबूत क्यों नहीं हैं, इसके लिए हम जिला एवं मण्डल के कार्यकर्ताओं से चर्चा करूंगा और मिषन 2023 में निश्चित तौर पर इस बार लहार में भाजपा की ही प्रत्याशी विजयी होगा, ये बात हमारी नोट कर लो, सकारात्मक सोच के साथ हमारा कार्यकर्ता लहार में इस बार जुट गया है जो इस बार कांग्रेस को उखाडने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्र व प्रदेश के विकास के लिए कार्य किया है, गरीबों के लिए जो योजनाऐं बनाई हैं जिन्हें हम नीचे स्तर तक पहुंचाकर प्रचार प्रसार के माध्यम से योजना का लाभ जनता को दिलाने के लिए कार्यकर्ता लोक सम्पर्क के माध्यम से जाएगें। पत्रकारवार्ता में प्रदेश मंत्री केशव सिंह भदौरिया, जिला संगठन प्रभारी जयप्रकाश जय प्रकाश राजौरिया, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया, विधायक संजीव सिंह कुशवाह, पूर्व विधायक मुन्ना सिंह भदौरिया, जिलामंत्री धीर सिंह भदौरिया, धर्मसिंह भार्गव मौजूद रहे।

शासकीय महाविद्यालय मेहगांव की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शीतकालीन सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन

महेंद्र शर्मा रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे

मेहगांव। शासकीय महाविद्यालय मेहगांव की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शीतकालीन सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन कन्हारी ग्राम की सरपंच सपना शर्मा एवं नगर परिषद मेहगांव के सीएमओ द्वारका प्रसाद शर्मा जी द्वारा रिबन काटकर किया गया।यह शीतकालीन सात दिवसीय शिविर शासकीय कन्या शाला मेहगांव में आयोजित किया जा रहा है जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की। शिविर की शुरुआत स्वयंसेविकाओं ने प्रांगण को स्वच्छ कर एवं रंगोली बनाकर किया। बौद्धिक सत्र में सर्वप्रथम सरस्वती मां को माल्यार्पण कर एवं अतिथियों बैज लगाकर स्वागत किया गया। सरपंच सपना शर्मा द्वारा सभी स्वयंसेवकों को शिक्षा के द्वारा समाज सेवा और समाज सेवा द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया। सीएमओ के अनुसार राष्ट्र सेवा ही सर्वोपरि धर्म बताया , राष्ट्र एवं समाज को उन्नतशील बनाने के लिए हम सबके अंदर सेवा भाव होना चाहिए एवं सभी के जीवन में अनुशासन भी आवश्यक है। सात दिवसीय शिविर का आयोजन प्राचार्य आरके डबरिया जी के निर्देशन में , राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी गिरिजा नरवरिया द्वारा किया गया ।आज के कार्यक्रम में प्रो अनुग्रह दत्त शर्मा, डॉ रेखा सुमन , प्रो वंदना श्रीवास्तव,प्रो पुरुष सिंह तोमर, प्रो शिव प्रकाश सिंह नरवरिया, प्रो आलोक मिश्रा , प्रोअंबुजा गुप्ता , प्रो दुर्गेश गुप्ता आदि का सहयोग प्राप्त रहा।

साल 2023 में कब हैं कौन-कौन से व्रत, पर्व व त्यौहार

2023 में चार ग्रहण भी लगेंगे जिसमें से सूर्य ग्रहण- 20 अप्रैल और 14 अक्तूबर को लगेंगे और चंद्र ग्रहण- 05 मई और 28 अक्तूबर को। इसके साथ ही अगर हम ग्रह गोचर की बात करें तो साल की शुरुआत में ही शनि कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे।

नया साल अब आने ही वाला है और अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से 01 जनवरी 2023 से नववर्ष प्रारंभ हो जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार अगर हम देखें तो अंग्रेजी कैलेंडर के नए साल का शुभारंभ रविवार के दिन पौष माह के शुक्ल पक्ष दशमी तिथि, अश्विनी नक्षत्र, सिद्ध योग में होगा। साल के पहले ही महीने में मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाएगा जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे। उसके बाद जनवरी महीने की ही 26 जनवरी को बसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाएगा। साथ ही 18 फरवरी भोलेनाथ का महापर्व महाशिवरात्रि मनाया जायेगा और फिर 08 मार्च को मनाई जाएगी रंगों भरी होली। 22 मार्च से माँ के चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ हो जायेगा और फिर 30 मार्च को राम नवमी का पर्व आएगा। 21 अगस्त को नाग पंचमी, 30 अगस्त को बहनों का ख़ास पर्व रक्षाबंधन और फिर 7 सितंबर को श्री कृष्णा जन्माष्टमी का पर्व आएगा। और फिर जैसे ही अक्तूबर का महीना आयेगा तो 15 अक्तूबर 2023 से शारदीय नवरात्रि और हिंदू नवर्ष आरंभ हो जाएगा। 24 अक्तूबर को दशहरा का त्यौहार धूमधाम से मनाया जायेगा और फिर 12 नवंबर 2023 को दीपावली का त्योहार आएगा और 19 नवंबर को छठ पूजा मनाई जाएगी।

इसी साल 2023 में चार ग्रहण भी लगेंगे जिसमें से सूर्य ग्रहण- 20 अप्रैल और 14 अक्तूबर को लगेंगे और चंद्र ग्रहण- 05 मई और 28 अक्तूबर को। इसके साथ ही अगर हम ग्रह गोचर की बात करें तो साल की शुरुआत में ही शनि कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। फिर अप्रैल के माह में में ग्रहों के स्वामी गुरु का राशि परिवर्तन होगा और अक्टूबर के महीने में राहु-केतु भी अपना राशि परिवर्तन करेंगे। तो अब आइये विस्तार से जानते हैं कि साल 2023 में जनवरी से लेकर दिसंबर तक कब और कौन से प्रमुख त्योहार और व्रत रखें जाएंगे।

साल 2023 के प्रमुख त्योहार और तारीखें-

तारीख	पर्व/जयंती	30 अगस्त	रक्षा बंधन
15 जनवरी	मकर संक्रांति/ पोंगल	07 सितंबर	जन्माष्टमी
26 जनवरी	बसंत पंचमी	19 सितंबर	गणेश चतुर्थी
18 फरवरी	महाशिवरात्रि	15 अक्टूबर	शरद नवरात्रि
08 मार्च	होली	24 अक्टूबर	दशहरा
22 मार्च	चैत्र नवरात्रि	01 नवंबर	करवा चौथ
30 मार्च	राम नवमी	10 नवंबर	धनतेरस
22 अप्रैल	अक्षय तृतीया	12 नवंबर	दिवाली
21 अगस्त	नाग पंचमी	19 नवंबर	छठ पूजा

मीन राशि वाले जातकों के लिए कैसा रहेगा साल 2023

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष करियर के मामले में सुखद परिणाम प्राप्त होने के अवसर मिलेंगे। राशि स्वामी देव गुरु बृहस्पति अप्रैल तक आपकी राशि में गोचर करेंगे। इसके साथ ही 17 जनवरी से शनि की साढ़ेसाती का प्रारंभ हो जाएगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मीन राशि के जातकों को इस वर्ष बहुत संभल कर चलना होगा। या यूं कहा जाए कि फूंक-फूंक कर कदम रखना होगा, तो यह गलत नहीं होगा। इस वर्ष मीन राशि के जातकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, तो अपने हौसलों को बुलंद रखिए। आत्मविश्वास बनाये रखिए। मीन राशि के जातकों के लिए यह वर्ष कुछ ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला। इस वर्ष देव गुरु बृहस्पति अप्रैल तक मीन राशि में ही विराजमान रहेंगे। जिसके फलस्वरूप अप्रैल तक आपको अत्यधिक धन लाभ होगा। शारीरिक तंदुरुस्ती प्राप्त होगी। आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी, क्योंकि देव गुरु बृहस्पति 22 अप्रैल को मेष राशि में प्रवेश करेंगे, जहां वह आपकी कुंडली के द्वितीय भाव में गोचर करेंगे। यहां उनकी युति राहु के साथ होगी, जिसके फलस्वरूप आप के बने-बनाए कामों में अड़चनें आएंगी। आर्थिक नुकसान की स्थिति बनेगी। आपके सभी कार्यों में विघ्न आएंगे तथा मान-सम्मान को ठेस भी पहुंच सकती है। सरकारी पक्ष से आपको नुकसान हो सकता है। किसी तरह के कोर्ट कचहरी के चक्कर में आप फंस सकते हैं। सरकारी पक्ष से आप को फटकार लग सकती है। जो जातक सरकारी नौकरी करते हैं, उनकी नौकरी खतरे में आ सकती है। यह स्थिति 30 अक्टूबर तक बनी रहेगी। लोग आपकी बातों का गलत मतलब निकालेंगे अर्थात आप अपने तथ्य लोगों को समझा नहीं पाएंगे। जिस कारणवश आप को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

कैरियर – ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष करियर के मामले में सुखद परिणाम प्राप्त होने के अवसर मिलेंगे। राशि स्वामी देव गुरु बृहस्पति अप्रैल तक आपकी राशि में गोचर करेंगे। इसके साथ ही 17 जनवरी से शनि की साढ़ेसाती का प्रारंभ हो जाएगा। इसलिए कार्य क्षेत्र में अब निर्णय सोच-समझकर लेने होंगे। देवगुरु बृहस्पति अप्रैल तक आपके लिए सहायक रहेंगे। इसके पश्चात कुछ व्यवसायिक परेशानियां आ सकती हैं, जो लोग विदेश से संबंधित व्यवसाय कर रहे हैं उनके लिए यह वर्ष लाभदायक साबित होगा। शनि का गोचर आपकी राशि से बारहवें भाव में विदेश से संबंधित कुछ अच्छे लाभ करा सकता है।लेकिन सावधानी रखनी होगी अन्यथा नुकसान भी हो सकता है। नौकरी पेशा लोग इस वर्ष अगर नौकरी बदलने के लिए प्रयासरत् हैं उन्हें सफलता मिल सकती है लेकिन यह समय अप्रैल तक ही अच्छा रहेगा। विदेश जाकर पढ़ाई का सपना देख रहे विद्यार्थियों की यह इच्छा भी इस वर्ष पूरी हो सकती है, विशेष रूप से फरवरी से मार्च अगस्त से सितंबर और नवंबर दिसंबर के महीने आप को सफल बना सकते हैं।

आर्थिक स्थिति – भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष 2023 में आपके ख़र्चों में वृद्धि होने की संभावना है, वहीं आय में वृद्धि की स्थिति भी रहेगी। आपके आय के स्रोत भी बढ़ेंगे। आपको अपने खर्चों में कमी करनी होगी, तभी आपका आर्थिक पक्ष मजबूत स्थिति में होगा।

ग्रहों की बदलती चाल के दौरान आपके ख़र्चें बढ़ सकते हैं। वहीं दूसरी ओर शनि आपके एकादश भाव में उपस्थित होगा, जिससे आय में वृद्धि होने की संभावना है। इस साल आप पुराना उधार चुका सकते हैं। आर्थिक मामलों में अप्रैल तक का समय खर्चे वाला साबित होगा। शनि का बारहवें भाव में गोचर वैसे तो कुछ अनावश्यक खर्च का संकेत नहीं करता ,लेकिन फिर भी कुछ खर्चे बने रहेंगे जो आपके बजट को बिगाड़ सकते हैं। अप्रैल के बाद आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। खर्चों पर नियंत्रण होगा और आमदनी के भी साधन बढ़ेंगे। कहीं पर कोई भी निवेश सोच-समझकर करें अन्यथा इस वर्ष नुकसान उठाना पड़ सकता है।

परिवार – भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि पारिवारिक जीवन के लिहाज से साल 2023 अच्छा रहेगा। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए आपको धन खर्च करना पड़ सकता है। यदि बच्चे विवाह के योग्य हैं तो उनके विवाह के बारे में आपको सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता है। इस साल संतान पक्ष से शुभ समाचार मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं। किसी बात को लेकर भाई-बहनों से आपको लाभ हो सकता है। परिजनों के बीच संबंध अच्छे रहेंगे। परिवार की सुख-सुविधाओं को पूरा करने में सफल रहेंगे। आप वैवाहिक कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। वर्ष की शुरुआत से अप्रैल तक परिवारिक जीवन शांतिप्रिय बना रहेगा। शनि की साढ़ेसाती समय-समय पर कुछ परिवारिक समस्याएं भी दे सकती है। कुछ पारिवारिक संपत्ति के मामले में विवाद भी हो सकते हैं। अप्रैल के बाद यह विवाद सुलझने की संभावना बनेगी। परिवारिक मामलों में कोई भी निर्णय सोच-समझ कर लें अन्यथा मानसिक अशांति का कारण बनेगा। जीवन साथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा।संतान से संबंधित चिंताएं दूर होंगी साथ ही जो लोग संतान के इच्छुक हैं उनके लिए अप्रैल तक का समय अच्छा रहेगा।

प्रेम-रोमांस – भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि वर्ष 2023 में मीन राशि के लोग अपने प्रेम संबंधों में वर्ष की शुरुआत में अनुकूलता महसूस करेंगे। शनि और शुक्र के संयुक्त प्रभाव से पंचम भाव सक्रिय रहेगा और इसलिए आप और आपकी प्रियतम के बीच की दूरियां बनेगी,एक-दूसरे को लेकर उसके पर विश्वास बढ़ेगा। अपने रिश्ते में ईमानदारी बनाए रखने की पूरी कोशिश करें,इस वर्ष आप अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने में भी सफल हो सकते हैं। 22 अप्रैल 2023 तक गुरु आपकी ही राशि में रहकर आपके पंचम सप्तम और नवम भाव को देखेंगे।इसलिए यदि आप किसी को पसंद करते हैं किसी से प्रेम करते हैं या उनसे विवाह करना चाहते हैं तो यह अवधि आपके लिए अनुकूल रहेगी। आप उनके समक्ष विवाह का प्रस्ताव रख सकते हैं, और आपका प्रेम विवाह भी हो सकता है। आपका रिश्ता टूट सकता है इसलिए सावधानी से आगे बढ़ें,अगस्त का महीना अनुकूल रहेगा और प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। वहीं सितंबर से नवंबर तक तनावपूर्ण स्थिति में रहने वाले हैं, यदि आप इस दौरान अपने रिश्ते को संभाल पाते हैं तो दिसंबर का महीना आपके रिश्ते को परिपक्व बनाएगा।

शिक्षा- भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष मीन राशि के विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष अपनी शुरुआत में अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करेगा। शुक्र और बृहस्पति तथा शनि के संयुक्त प्रभाव से आप एक से ज्यादा विषयों में पारंगत होने लगेंगे, आपकी एकाग्रता बढ़ेगी। केवल पढ़ाई ही नहीं बाकी आप अन्य समसामयिक विषयों पर भी अच्छी पकड़ बना पाएंगे। यह समय आप की शिक्षा के लिए अनुकूल रहेगा, लेकिन अप्रैल से अगस्त और सितंबर के महीने बहुत ज्यादा तनाव देंगे।क्योंकि पारिवारिक माहौल नकारात्मकता की ओर बढ़ेगा और उसका प्रभाव आपकी शिक्षा पर भी पड़ेगा। इसलिए आपको उस दौरान विशेष रूप से अपनी पढ़ाई पर फोकस करने की आवश्यकता होगी। उसके बाद का समय अपेक्षाकृत अनुकूल रहेगा।प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को वर्ष के प्रथम तिमाही और अंतिम तिमाही में अनुकूल परिणाम मिलेंगे। शेष समय मंश उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष बहुत अनुकूल रहेगा। वर्ष की शुरुआत से ही आप अपनी शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त कर पाएंगे।

स्वास्थ्य – भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि वर्ष के प्रारंभ में शनि की साढ़ेसाती का आगमन कुछ मानसिक परेशानियां देगा। देवगुरु बृहस्पति का गोचर अप्रैल तक आपके स्वास्थ्य की रक्षा करेगा। अप्रैल के बाद कुछ स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां आपको हो सकती हैं। उदर रोग छाती से संबंधित रोग और दांतो से संबंधित परेशानी हो सकती है। निरंतर योगाभ्यास और खानपान को नियमित रखें जिससे परेशानी से बचे रहेंगे। कुल मिलाकर स्वास्थ्य के मामले में या वर्ष मिला-जुला फल देगा। 2023 में मीन राशि वालों का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। शनि का गोचर इस वर्ष स्वास्थ्य संबंधी कुछ परेशानियां दे सकता है। इस राशि के लोगों को अपनी आंखों का खास ख्याल रखना चाहिए। खान-पान से आप खुद को स्वस्थ रखने में सफल हो सकते हैं। साल के मध्य में मानसिक तनाव रह सकता है इसलिए इस समय प्राणायाम करना आपके लिए सही रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य को लेकर आप थोड़े चिंतित रहेंगे। बाहर का खाना जैसे मसालेदार खाना खाने से बचें। जितना हो सके आपको अपने परिवार के सदस्यों के साथ हंसी-मजाक करना चाहिए। कुल मिलाकर साल 2023 में मीन राशि के जातकों को अपने स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहना होगा।

ज्योतिष उपाय- भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि घर से निकलते हुए सदैव अपनी जेब में एक पीला साफ़ रुमाल जरूर रखें। हनुमान जी की आराधना करें। विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करें।

घर में कैलेंडर लगाने से पहले जान लीजिए इन बातों को नए साल में पाएंगे खूब लाभ

2023 का कैलेंडर घर में लगा रहे हैं तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का जरूर ध्यान रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर सही दिशा में नए साल का कैलेंडर लगाया जाए तो यह आपके लिए काफी फायदेमंद होता है। वास्तु विज्ञान के अनुसार, अगर कैलेंडर को सही दिशा में लगाया जाए तो किस्मत को तो जागृत करता ही है, साथ में समस्याओं को भी साल भर दूर रखता है। आइए जानें वास्तु विज्ञान के अनुसार घर में कहां और कैसे कैलेंडर लगाना फायदेमंद होता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ज्यादातर देखा जाता है कि जल्दबाजी के चक्कर में या किसी वजह से पुराने कैलेंडर के ऊपर ही नया कैलेंडर लगा दिया जाता है। इस वजह से कई दिनों तक पुराने कैलेंडर घर की दिवारों पर लटके रह जाते हैं। वास्तु में पुराने कैलेंडर का लटका रहना अच्छा नहीं माना जाता, यह आपके जीवन में प्रगति के अवसरों को कम करता है। साथ ही इससे भविष्य की रूपरेखा भी प्रभावित होती है और नए साल में नए कार्य करने के लिए ऊर्जा की कमी महसूस होती है। इसलिए पुराने कैलेंडर को दीवार से हटा देना चाहिए और नए साल के नए कैलेंडर को घर में लगाना चाहिए। वास्तु के अनुसार, नए साल 2023 के कैलेंडर को हमेशा घर के उत्तर, पश्चिम या पूर्वी दीवार पर लगाना सही माना जाता है। घर, ऑफिस या दुकान आदि जैसे स्थलों पर इन दिशाओं में नए साल का कैलेंडर लगाएंगे तो जीवन में तरक्की बनी रहती है और साल भर परेशानियां भी दूर रहती हैं। कभी भी दक्षिण दिशा की तरफ कैलेंडर नहीं लगाना चाहिए, ऐसा करने से मुखिया का स्वास्थ्य सही नहीं रहता है और यह उसकी प्रगति में बाधा बनता है।

सूर्योदय की दिशा पूर्व है इसलिए अगर आप उगते हुए सूरज की तस्वीर वाला कैलेंडर पूर्व दिशा में लगाएंगे तो यह दिशा आपके लिए अच्छे अवसर लेकर आएगी और उन्नति का मार्ग भी प्रशस्त होता है। साथ ही पूर्व दिशा लगाया कैलेंडर संतान के जीवन में भी प्रगति के द्वार खोलता है।

कैलेंडर हमेशा ऐसा होना चाहिए, जिसकी पृष्ठों में उगता सूरज या खुशहाली से जुड़ा हुआ हो। कभी भी हिंसक जानवर, दुखी चेहरों की तस्वीरें आदि जैसी तस्वीर वाले कैलेंडर को नहीं लगाना चाहिए। यह घर में नेगेटिव एनर्जी लाते हैं, इसलिए ऐसे किसी कैलेंडर को घर में नहीं लगाना चाहिए। नए साल का कैलेंडर हरा, नीला सफेद, गुलाबी और लाल रंग का होना चाहिए। ऐसे रंग के कैलेंडर लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। वास्तु में उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा मानी जाती है। इसलिए सुख-समृद्धि और धन आगमन के लिए नए साल 2023 में उत्तर दिशा में हरियाली, फव्वारा, विवाह संबंधी तस्वीरें, युवा जीवन की तस्वीरों वाला कैलेंडर लगाना उत्तम माना गया है। ग्रीन व सफेद रंग का कैलेंडर उत्तर दिशा में लगाने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

वास्तुशास्त्र के मुताबिक, कभी भी मुख्य दरवाजे पर या दरवाजे के सामने कैलेंडर नहीं दिखना चाहिए। यदि घर दक्षिणमुखी हो तब तो इस बात का विशेष ख्याल रखें कि मुख्य दरवाजे पर कैलेंडर नहीं लगाया गया हो। कैलेंडर को गलत दिशा में रखने से आपकी तरक्की भी रुक सकती है। हमें कभी भी दरवाजे के पीछे कैलेंडर को नहीं लटकाना चाहिए, यदि ऐसा किया जाता है तो इससे परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य पर असर पड़ता है और उम्र में कमी होती है।

संपत्ति से संबंधित विवाद को निपटाने के लिए दान संक्रांति पर करें दान

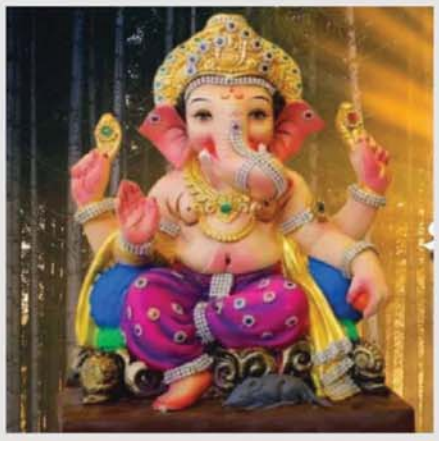

जिसे जीवनसाथी, भवन और वाहन का सुख प्राप्त है, जिसके पास अपने नाम की संपत्ति है, जिसकी अपनी सामाजिक हैसियत और रतबा है और जिसके घुटने और हड्डियों के जोड़ सलामत हैं, यह कुंडली में शनिदेव उत्तम का संकेत है, ऐसा ज्योतिष शास्त्र कहता है।

सद्गुरुश्री कहते हैं कि फल कर्मों के अधीन हैं। आपके कर्म ही आपके भविष्य की दिशा तय करते हैं। रही बात मंत्रों के तकनीकी पहलू की, तो मंत्रों के ऋषि एवं छंद का ज्ञान न होने पर मंत्रों का फल नहीं मिलता और विनियोग न करने पर मंत्र दुर्बल हो जाते हैं, ऐसा गौतमीय तंत्र कहता है। मंत्रों को फल का दिशा-निर्देश देने की प्रक्रिया को ही विनियोग कहते है। विनियोग में ऋषि, छंद, देवता, बीज एवं शक्ति के साथ एक और तत्व होता है, जिसे बीजक कहते हैं। बीजक 'मंत्र शक्ति' को संतुलित रखने वाला तत्व है। इसका सर्वांग न्यास मंत्र सिद्धि की अनिवार्य शर्त है। सद्गुरुश्री कहते हैं कि रविवार को गुड़ मिश्रित तिल व मेवे मिश्रित लड्डू का वितरण अचल संपत्ति से संबंधित विवाद को नष्ट करने में सहायक होकर समृद्धि का बीजारोपण करता है। मान्यताओं के अनुसार ये दान संक्रांति पर बेहद प्रभावी पाया गया है। सद्गुरुश्री कहते हैं कि जन्म कुंडली में एकादश भाव को लाभ भाव कहा जाता है। ग्यारहवें भाव में जो भी राशि हो, उसके स्वामी ग्रह को लाभेश या लाभ का स्वामी कहा जाता है। उदाहरण के लिए यदि वहां 1 लिखा हो तो मंगल, 2 लिखा हो तो शुक्र, 3 हो तो बुध, 4 हो तो चंद्रमा, 5 सूर्य, 6 बुध, 7 शुक्र, 8 मंगल, 9 बृहस्पति, 10 शनि, 11 शनि और यदि वहां 12 लिखा हो तो बृहस्पति लाभ भाव का स्वामी अर्थात लाभेश होगा।

भोपाल में मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट कर राहुल सिंह ने नये वर्ष कि शुभकामनायें दी एवं कॉर्पोरेशन के कार्यकाल की समय अवधि 2 साल बडाये जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

संभाग आयुक्त ने एलएनआईपीई व कम्पू खेल परिसर पहुँचकर लिया खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों का जायजा

ग्वालियर। खेलों इंडिया यूथ गेम्स के तहत ग्वालियर में 31 जनवरी से 10 फरवरी तक राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगितायें आयोजित होंगीं। संभाग आयुक्त दीपक सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी श्रीनिवास वर्मा ने बुधवार को एलएनआईपीई एवं कम्पू खेल परिसर पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर संभाग आयुक्त सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तहत आयोजित होने जा रही सभी खेल प्रतियोगिताओं की व्यवस्थायें अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और उच्च कोटि की होना चाहिए। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तहत कम्पू खेल परिसर (मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी) में हॉकी व बैडमिंटन तथा एलएनआईपीई में जिम्नास्टिक व मार्शल आर्ट कलरीपयट्टु की प्रतियोगितायें होंगीं। कम्पू खेल परिसर स्थित बैडमिंटन अकादमी में 31 जनवरी से 03 फरवरी तक बैडमिंटन प्रतियोगितायें होंगीं। इसी तरह एलएनआईपीई के मल्टीपर्पज हॉल में एक से पाँच फरवरी तक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता होगी। कम्पू खेल परिसर में 4 से 10 फरवरी तक हॉकी प्रतियोगिता होगी। एलएनआईपीई के मल्टीपर्पज हॉल में 8 से 10 फरवरी तक मार्शल आर्ट कलरीपयट्टु खेल में देश भी से आए खिला?ी अपनी प्रतिभा दिखायेंगे। संभाग आयुक्त दीपक सिंह ने

जिम्नास्टिक व कलरीपयट्टु प्रतियोगिता आयोजन स्थल एलएनआईपीई के मल्टी पर्पज हॉल, इन प्रतियोगिता में भाग लेने आ रही टीमों के लिए प्रेक्टिस कक्ष, खेल प्रेमियों की बैठक व्यवस्था व अन्य बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने एलएनआईपीई के कुलपति प्रो. विवेक पाण्डेय व जिला खेल अधिकारी से कहा कि इन सभी खेल प्रतियोगिताओं की सभी व्यवस्थाओं को समय-सीमा में पूरा कराएँ। साथ ही सभी इंतजाम व खेल कोर्ट अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कम्पू खेल परिसर स्थित हॉकी अकादमी व बैडमिंटन कॉम्प्लेक्स की व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

इस दौरान संभाग आयुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि एलएनआईपीई व कम्पू खेल परिसर के समीप पार्किंग व एहतियात बतौर अग्निशमन, फूड स्टॉल व खेल प्रेमी दर्शकों की बैठक व्यवस्था बेहतर से बेहतर होना चाहिए। उन्होंने कहा खिला?ियों व ऑफिशियल्स की आवास व्यवस्था भी उत्कृष्ट हो। सिंह ने इस आयोजन में शहर के खेल प्रेमी वॉलेन्टियर्स और एलएनआईपीई के खिला?ियों का वॉलेन्टियर्स के रूप में सहयोग लेने की बात भी कही। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी श्रीनिवास वर्मा ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दौरान दोनों आयोजन स्थल पर पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जायेंगे। इस अवसर पर एलएनआईपीई के कुलपति प्रो. विवेक पाण्डेय, अपर कलेक्टर एच बी शर्मा व जिला खेल अधिकारी जोसेफ सहित आयोजन से जु? अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

वार्ड क्रमांक 45 में लगी जनचौपाल,,विधायक डॉ. सिकरवार ने सुनी जनसमस्यायें

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 45 जाटव मौहल्ला ललितपुर कॉलोनी में कांग्रेस पार्टी द्वारा गांधी जन चौपाल का आयोजन कर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने आम जन की समस्याओं को सुना और तुरन्त संबधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य रूप से जिला संगठन मंत्री सुरेन्द्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष राकेश गुर्जर, पार्षद अंकित कठ?ल, मण्डलम् अध्यक्ष अनूप शिवहरे, के.के. शर्मा, महेश सिकरवार, पूरन सिंह सूर्यवंशी आदि मौजूद रहे। जनचौपाल में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने जनता को संबोधित करते हुये कहा कि देश में अराजकता का माहौल है और नफरत फैलाने का काम भाजपा द्वारा किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी देश में भाईचारा बनाये रखने के लिये काम करती रही है और देश व सर्वहारा वर्ग के विकास और उत्थान के लिये कार्य रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो सभी वर्गो का सम्मान करते हुये साथ लेकर चलती है।

मप्र पुलिस कर्मचारी सहयोग संघ ने नवागत पुलिस अधीक्षक का किया स्वागत

पुष्पांजली टुडे

दमोह। मप्र पुलिस कर्मचारी सहयोग संघ ने नवागत पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह के पदभार ग्रहण करने पर उनका स्वागत किया। संघ के जिलाध्यक्ष एसएम अली, संभागीय अध्यक्ष तुलसीराम पटैल, जिला उपाध्यक्ष आरिफ अली, सहा सचिव सुदामा प्रसाद, मीडिया प्रभारी असलम खान, संयोजक शेख मुस्तकीम, राकेश गुप्ता, रसीद खां, शाहवाज अली, बाबू खां द्वारा पुष्प मालाओं व गुलदस्ता देकर जिला पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया।

शिवपुरी पुलिस अधीक्षक जी को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनाए जाने पर अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा ने दी बधाई

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी के पुलिस जिला मुख्यालय से है जहां पर आज अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा की पूरी टीम ने पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल जी को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस.एस.पी. बनाए जाने पर बधाई दी सरल स्वभाव के धनी पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल जी काफी लंबे बरसों से शिवपुरी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और वह एक व्यवहार कुशल पुलिस अधीक्षक हैं जो सभी की बातों को सुनते हैं और समझते हैं तब सही के साथ सही और गलत के साथ गलत करते हैं न्याय देने के मामले में शिवपुरी पुलिस अधीक्षक अपनी पुलिस वाली सोच से हटके भी न्याय देते हैं शिवपुरी जिले में पिछले 3 से अधिक वर्षों से सेवाएं देने वाले पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल जी को हाल ही में पदोन्नति मिली है जिससे वह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बन चुके हैं इसी मौके पर आज अखिल भारतीय कुशवाह महासभा की टीम ने पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल जी को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनाए जाने पर और नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए पुष्प गुच्छ भेंट कर मुलाकात की इस मौके पर अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के जिला अध्यक्ष अवधेश कुशवाहा युवा जिला अध्यक्ष विपिन कुशवाहा जिला सचिव राजेंद्र कुशवाहा मीडिया प्रभारी नरेंद्र सिंह कुशवाहा पान वाले मौजूद रहे

पुष्पांजली टुडे

दमोह। पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह (एसपी) ने दमोह में अपना पदभार ग्रहण किया। एएसपी शिवकुमार सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर पुलिस अधीक्षक महोदय को शुभकामनायें दी। इस अवसर पर नवागत एसपी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश देकर जिले से संबंधित जानकारियाँ मांगी।

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षक ले रहे है एफएलएन की ट्रेनिग;

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत प्रत्येक संकूल से दो प्राथमिक शिक्षक ले रहे है एफएलएन की प्रशिक्षण ।

संवाददाता हेमचंद नागेश

मैनपुर। विकासखंड मैनपुर में फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) के तहत आज से 4 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ जिसमें विकसखंड के 39 संकूल से 2- 2 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को निपुण भारत मिशन के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण को विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर आर सिंग सर ने संबोधित करते हुए कहा चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का लक्ष्य आधारभूत साक्षरता और संख्याज्ञान प्राप्त कर नवीन अवधारणा विकसित करते हुए बच्चों की शिक्षा में बुनियादी अवधारणा को सिखाना है। विकासखंड श्रोत समन्वयक एस के नाग सर ने अपने संबोधन में कहा कि आप सभी को इस प्रशिक्षण के बाद अपने अपने संकुल के शिक्षकों को प्रशिक्षण देना है साथ ही आपको अपने संकुल के लिए संकुल मेंटर की भूमिका निभानी है एफ एल एन मुख्य रूप से कक्षा 1से 3 तक के बच्चो को बुनियादी शिक्षा देने के लिए है लेकीन कक्षा 4,5 के जो बच्चे बुनियादी शिक्षा कक्षा स्तर पर नही है उसे भी शामिल करते हुई आगे बढ़ना

है, । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार एफ एल एन का लक्ष्य को 2026तक प्राप्त करना है, कक्षा 3 तक के बच्चो को सिखाने के लिए प्रतिफल तय किया गया है। शिक्षक संदर्शिका, हिंदी गणित के अभ्यास पुस्तिका पर बच्चो को सतत अभ्यास कराना है।संतोष कुमार तारक शिक्षक ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत कक्षा एक से तीन के विद्यार्थियों की बुनियाद मजबूत करने के लिए अध्यापकों को नई-नई विधियों का इस्तेमाल करने, गणित, भाषा अंग्रेजी व हिदी में निपुणता प्रदान करने के लिए विशेष रूप से विभिन्न के सहायक शिक्षण सामग्री के द्वारा सिखाना जरुरी है जिससे बच्चो को किसी भी अवधारणा की स्थायी समझ विकसित होती है साथ संतोष कुमार ने अपने शाला में उपयोग किए जाने वाले सहायक शिक्षण सामग्री के बारे में बताया। है। । इस प्रशिक्षण में विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर आर सिंग, विकसखंड स्रोत समन्वयक इस के नागे, संतोष कुमार तारक शिक्षक, प्रशिक्षकअनिल अवस्थी, विनय कुमार साहू साथ ही मैनपुर विकासखंड के सभी संकूल से 2-2 शिक्षक उपस्थित रहे।

आईटीएम एवं आईटीएम यूनिवर्सिटी में गणित विषय पर कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर। आईटीएम ग्वालियरके बेसिक साइंस एंड ह्यूमैनिटिव विभागऔर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के आईटीएम स्कूल ऑफ साईंसेस द्वारा गणित विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में साउथ एशियन विश्वविद्यालय नई दिल्ली के डॉ. जगदीश चंद बंसल और ग्वालियर में एबीवीआईआईटीएम के प्रो. जॉयदीप धर, बुंदेल खंड यूनिवर्सिटी कुलपति रहे प्रो. विजय कुमार सहगल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुये। इस मौके पर आईटीएम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसएस भाकर, डॉ. वायसी गोस्वामी, ओम सिसोदिया, आईटीएम ग्वालियर की निदेशक डॉ. मीनाक्षी मजूमदार विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुई।

डी के डी एन यू के तत्वाधान में क्रिकेट महाकुंभ का हुआ समापन....

12दिनों तक चलने वाली इस क्रिकेट महाकुंभ में आर सी सी दंडामुड़ा कि टीम विजयी रही.....

संवाददाता प्रमेश अवस्थी

देवभोग न्यूज। देवभोग विकासखंड के अंतर्गत ग्राम दहीगांव में 23 से 2 जनवरी तक 12 दिवसीय क्रिकेट महाकुंभ का आयोजन ग्राम पंचायत दहीगांव व कोसमकानी पंचायत के कुल पांच आश्रित गांव के तत्वाधान में किया गया ।जिसका फाइनल मुकाबला 2 जनवरी को आर सी सी डंडामुड़ा व कांटाभांजी के मध्य खेला गया। जिसमें आर सी सी की टीम विजई रही । वहीं रनफ के रूप में उड़ीसा काटाभांजी की टीम रही ।12 दिनों तक चलने वाले इस क्रिकेट महाकुंभ में कुल 16 टीमों ने भाग ली थी। जिसमें अंतर जिला व उड़ीसा राज्य की टीम ने शिरकत की थी।12 दिनों तक चली इस क्रिकेट महाकुंभ में अंतिम चार में दो उड़ीसा और दो छत्तीसगढ़ की टीम ने अपना स्थान बनाई थी ।जिसमें सेमीफाइनल में दो छत्तीसगढ़ की टीमों को हराकर उड़ीसा राज्य की दो टीमों ने फाइनल में अपना स्थान बनाए ।जिसमें उड़ीसा आर सी सी डंडामुडा फाइनल जीतकर चमचमाती ट्राफी व नगद 55555 रुपए की राशि अपने नाम की। वहीं उप विजेता रहीं कटाभंजी कि टीम को 33333रूपये व ट्रॉफी दी गई। वहीं पुरे मैच में अच्छा प्रदर्शन करने वाले आर सी सी टीम के प्लेयर रूद्र को

प्लेयर ऑफ द मैच व मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।वहीं पूर्व संसदीय सचिव श्री गोवर्धन मांझी के कर कमलों से विजेता टीमों को ट्राफी व 55555 रूपये की राशि दी गई ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गोवर्धन मांझी ने कहा कि खेल खिलाड़ी भावना से खेलना चाहिए ।और खेल से शारीरिक दक्षता में भी विकास होती है ।और जीत उसी की होती है जो रण भूमि में सर्वोच्च अपना योगदान देते हैं ।वही पूरी मैचों कि अध्यक्षता ग्राम पंचायत दहिगाव के सरपंच श्री खगेश्वर नागेश ने की। और अपने संबोधन में कहा कि खेल को प्रतिकारक की भावना से नहीं खेलना चाहिए। बल्कि जीत के लिए हर कोशिश करनी चाहिए। और जो इस खेल में सर्वोच्च अपना योगदान देता है उसी को ही जीत मिलती है।

वही इस समापन कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव श्री गोवर्धन मांझी, जिला पंचायत सभापति धनमती यादव, जिला पंचायत प्रतिनिधि देशबंधु नायक ,जनपद सभापति असलम मेमन, क्षेत्र के जनपद सदस्य अमितेश अवस्थी , कोसमकानि के सरपंच कार्तिक यादव ,और उड़सिा क्षेत्र के सरपंच अजीत पोटा,जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता गोविंद रेंगे, रंजीत पात्र क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ ग्रामीण मौजूद रहे। वहीं पांचों ग्राम के वरिष्ठ नागरिक भी समापन समारोह में मौजूद रहे और खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की।

साहित्यिक समृद्धि की रीड है डॉक्टर श्याम सुंदर जी दुबे -केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रह्लाद पटेल

शॉल-श्रीफल भेंट कर मिठाई खिलाई और उनका सम्मान किया

पुष्पांजली टुडे

दमोह। बुंदेलखंड मध्य प्रदेश और देश के हिंदी जगत के ऐसे पुरोधा (साहित्य मनीषी) हमारे बीच में है और उन्हें मध्यप्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय कबीर सम्मान से सम्मानित करने जा रही है। यह जो साहित्यिक समृद्धि की री? है डॉक्टर श्याम सुंदर जी दुबे, जिन्होंने सिर्फ वर्तमान को नहीं, अतीत में संत जुड़ी राम से लेकर हटा में रमा मिस्त्री तक और जितनी भी क्षेत्रीय पांडुलिपियां है उन पर जो काम किया है, ऐसा कोई विषय नहीं है। उन्होंने जो पुस्तकें मुझे भेंट की हैं। इस आशय के विचार आज केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जल शक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने साहित्यिक गतिविधियों से जु? डॉक्टर श्याम सुंदर दुबे के निवास पर पहुंचकर बधाई देते हुये व्यक्त किये। इस अवसर पर

उन्होंने पुष्पमाला पहनाकर शॉल-श्रीफल भेंट कर मिठाई खिलाई और उनका सम्मान किया और आर्शीवाद प्राप्त किया । इस मौके पर श्याम सुन्दर दुबे के परिजन भी मौजूद थे। केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल ने कहा कल और परसों जो पहला राष्ट्रीय आयोजन भोपाल में राज्य के जल शक्ति मंत्रियों का होगा, शायद उसका भाषण डॉक्टर साहब की पुस्तकों के आधार पर ही होगा। उन्होंने कहा जब ऐसे लोगों से भेंट करते हैं, तो हम उन्हें कुछ नहीं दे सकते, लेकिन उनसे जो हमें मिलता है, वह हमारे लिए भी अच्छा होता है और समाज के लिए भी बेहतर होता है। मैं उनके चरणों में फिर से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आया था। मैंने उनको प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया है और वहां पर पुस्तकें मिली है, उन पुस्तकों से मेरा भी मार्गदर्शन होगा और समाज का भी मार्गदर्शन होगा। केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल ने डॉक्टर श्याम सुंदर दुबे तथा साहित्य जगत से जुडे नागरिकों से जिले की पुरातन समय के साहित्य को एकत्रित कर प्रकाशन कराने के संबंध में भी चर्चा की। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि नरेद्र बजाज, विधायक हटा पीएल तंतुवाय, पूर्व विधायक उमा खटीक, मनीष पल्या, एसडीएम अभिषेक ठाकुर सहित साहित्य जगत से जुडे गणमान्य नागरिक मौजूद रहे

जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्यक्ष एवं बीईओ लालबर्रा ने किया सीएम राईज विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

4 जनवरी को जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय के द्वारा लांजी दौरे के दौरान सीएम राइज विद्यालय बोलेगांव का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। विद्यालय निरीक्षण के दौरान विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, अर्धवार्षिक परीक्षाएं, संसाधनों की उपलब्धता तथा निदानात्मक कक्षाओं के संबंध में जानकारी तथा शौचालयों की स्वच्छता से संबंधित जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों तथा शिक्षकों की नियमित उपस्थिति के संबंध में चर्चा की गई। कक्षा दसवीं के छात्रों को आदर्श उत्तर पत्रिका के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया और परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ए.के. उपाध्याय के द्वारा विद्यालय की गतिविधियों को सराहा गया तथा परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दी गई। उक्त निरीक्षण के दौरान लालबर्रा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, बी.आर. गुरदे प्राचार्य, प्रवीण साहू उप-प्राचार्य, फतूलाल रिनायत, सरोज पटले, लक्ष्मीचंद घोरमारे, मनोज लाड़े, मुकेश पांचें, संजय कुमार मेश्राम, युवराज कुशले, कैलाश वैरागढ़े, प्रहलाद गोखले, रत्नाकर गणवीर, रीता वाकड़े, रविप्रकाश सहारे, साधना

भगत, सी. के. घरते माध्यमिक प्रधानपाठिका, रमेश धारने प्रधान पाठक, सुरेश मेश्राम, नंदकिशोर बाहेश्वर, दुर्गा हरडे, ममता पिल्हारे, अनिता बिसेन, उषा नगपुरे, रामेश्वर कावरे, विनोद बागड़े, संजय ऊइके, सुकेंद्र नगपुरे, रीना देशमुख, तोष गायकवाड, पंकज उरकुड़े, अंकित कामडे आदि

गोहद में मनाई मां सावित्री बाई फुले जयंती

महेंद्र शर्मा रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे

गोहद - भिंड। जब महिलाएं चहार दिवारी के अंदर प्रताड़ित की जाती थी उन्हें पढ़ने का अधिकार नहीं था महिलाएं रूढ़िवादिता,गैर बराबरी, पाखंडवाद की शिकार थी कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए 19 वी सदी की महान समाज सेविका मां सावित्री बाई फुले ने महिलाओं के उत्थान के लिए उस समय अभियान चलाया उक्त बात अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव माननीय बादल सरोज जी ने मंगलवार को गोहद चौराहे कबीर आश्रम पर आयोजित विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा मनाई गई माता सावित्रीबाई फुले की जयंती के मौके पर मुख्य अतिथि की हैसियत से कही! माननीय बादल सरोज ने बोलते हुए कहा कि मां सावित्री बाई ने स्कूल खोलें पुस्तकालयों की व्यवस्था की शिक्षा का प्रसार किया और मौजूदा व्यवस्था स्कूल बंद कर निरक्षर बनाने में प्रयासरत है सावित्री बाई फुले जयंती कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व पार्षद किसान नेता राजेंद्र सिंह कुशवाह द्वारा की गई माननीय बादल सरोज ने रूढ़िवादिता के अलावा नोटबंदी जीएसटी पर विस्तार से जिक्र किया कहा कि आज डिजिटल इंडिया , फोन पेय व्यवस्था लागू हो रही है निरक्षर कैसे इसका मुकाबला कर सकेंगे शिक्षा भी महंगी है उन्होंने मां सावित्री बाई फुले से प्रेरणा लेने का आह्वान किया और चुनौतियों से मुकाबला किए जाने की बात कही और कहा कि आज व्यक्ति की पहचान कर्म और योग्यता के आधार पर नहीं जाति के आधार पर होती है उसकी पैदाइश के आधार पर होती है शूद्र जाति से नहीं होते आर्थिक आधार पर दबे कुचले लोगों को ही शूद्र कहा जाता है जब गार्गी ने अपने पति को हरा दिया तब उनको उनके पति के द्वारा ताकत के आधार पर चुप कराया ऐसे गैर बराबरी वाले समाज में ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने लड़ाई शुरू की यह संविधान ऐसे ही नहीं बना है इसके पीछे न जाने कितने महापुरुषों के बलराम दफन हैं आजादी के इतने साल बाद भी शिक्षा को छलनी लगाकर यह बताने की कोशिश की जा रही है कि यहां पर पैसे वालों के ही बच्चे पढ़ेंगे और तो और सार्वजनिक क्षेत्र को खत्म करके रिजर्वेशन को भी खत्म किया जा रहा है इसके लिए शिक्षित हो संगठित हो और संघर्ष करो मुख्य अतिथि के रूप में साबित्री बाई फुले जयंती में उपस्थित कार्यक्रम को ग्वालियर ऑल

इंडिया लॉयर्स यूनियन जिला अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त जिला जज माननीय रतन वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा की मां सावित्री बाई फुले न सिर्फ समाज सेविका थीं बल्कि महान कवित्री महान योद्धा और रूढ़िवादिता अंधविश्वास के खिलाफ लड़ने वाली देश की महान प्रेरणा स्रोत थी जब देश गुलाम था महिलाओं को बराबरी का अधिकार नहीं थे तब सावित्री ने हम लोगों को जागृत करने का काम किया मैं सिर्फ यह बताना चाहता हूं के किसी को गुलाम बनाना हो तो लोगों को जाति वह धर्म के आधार पर उलझा दीजिए समाज पीढ़ी दर पीढ़ी के लिए गुलाम बन जाएगा अगर आप पढ़ेंगे महापुरुषों को तभी आप न्याय पा सकते हैं सोते हुए को कभी न्याय नहीं मिलता जब तक आप अंधविश्वास और पाखंड वाद को नहीं भूलेंगे तब तक आप शिक्षित नहीं हो सकते हैं आज जो लोग संविधान की शपथ लेकर काम करते हैं वही इस देश को गलत रास्ते पर ले जा रहे हैं संप्रदाय धर्म के नाम पर बात कर एक दूसरे के खिलाफ खड़ा कर हिंसक बना रहे हैं और सोशल मीडिया को इस्तेमाल कर रहे हैं अब देश संविधान से चलना चाहिए आज मोबाइल के जरिए दूषित मानसिकता परोसी जा रही है फेरन लवली से तनु गोरा हो जाता है लेकिन आज तक कोई गोरा नहीं हुआ उसी तरह यह बताया जा रहा है कि इससे अच्छा और कोई नहीं है यह और वह आपका दुश्मन है सोशल मीडिया का जादू हमारे दिलों दिमाग में घुसाया जाता है बातों से पेट नहीं भरेगा रोजगार के लिए जागरूक होइऐ उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था मां सावित्री बाई फुले के विचारों के विपरीत कदम उठा रही है उन्होंने कहा शोषित वंचित मंहगी न्याय व्यवस्था के चलते दर-दर भटक रहे हैं विद्वान एवं महंगे वकीलों के अभाव में गरीबों को न्याय नहीं मिल रहा है उन्होंने इस व्यवस्था को पलट कर बेहतरीन व्यवस्था के लिए मां सावित्री बाई फुले के विचारों को आत्मसात करने एवं संकल्प लेने की बात कही मां सावित्री बाई फुले जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम नारायण माहोर राजेश शर्मा सुषमा जाटव बीपी सिंह गुर्जर पुरुषोत्तम श्रीवास वीरेंद्र कुशवाहा रामबाबू जाटव कुसुम माहौर एडवोकेट स्वप्निल शुक्ला एडवोकेट शैलेश बोहरे रामबाबू जाटव रसीद ख़ान ने भी संबोधित किया इसके अलावा देवेंद्र शर्मा,ओ पी बाथम, नरेंद्र सेंगर आदि मंचासीन थे संचालन कबीर आश्रम निर्माण समिति अध्यक्ष लालाराम माहौर ने किया कार्यक्रम से पूर्व मां सावित्री फुले के चित्र पर माल्यार्पण किया जा कर मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया आभार रामचित्र माहौर द्वारा व्यक्त किया गया इस अवसर पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष गुड्डी बाई माहौर, देवी जाट, राकेश माहौर , हरविलास माहौर,उदय सिंह श्रीवास, हरिशंकर माहौर, नंदकिशोर कुशवाह, मुन्ना लाल कुशवाह, नारायण शर्मा, बदामी कुशवाह, सरोज श्रीवास ,देवाराम कुशवाह, सहित भारी संख्या में महिला एवं आम जनता मां सावित्री बाई फुले जयंती कार्यक्रम में उपस्थित रही।

आजीविका मीशन द्वारा संचालित ग्राम संगठन की साधारण सभा का आयोजन किया गया

पुष्पांजलि टुडे से श्री विजय परिहार की

जिसमें जिसमें स्व सहायता समूह के सभी सदस्य उपस्थित हुए ग्राम संगठन की आए एवं आगामी साल की कार्यों की रणनीति बनाई गई एवं उसमें निर्णय लिया गया कि ग्राम के अंतिम छोर की सबसे गरीब परिवार को भी अजीब कमीशन से जोड़ा जाए और ग्राम के सभी सदस्यों को काम से कम कम से कम 3 अजीबका गतिविधियों से जोड़ा जाए ग्राम के सभी समूह के सदस्य लखपति क्लब में सम्मिलित किए जाए कार्यक्रम में आजीविका मीशन ब्लॉक के प्रबंधक श्री सुमित गुप्ता जी सर एवं श्री राजेश कुमार शर्मा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर एवं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ श्री अरविंद बेडर जी के साथ भारतीय जनता पार्टी के करेरा मंडल उपाध्यक्ष एवं नरवर ब्लॉक अध्यक्ष के साथ करेरा ब्लॉक अध्यक्ष के भाई और ग्राम ग्राम पंचायत मामोनी खुर्द के सरपंच साहब श्री बद्री पाल और भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष सिरसोद एससी मोर्चा अध्यक्ष विजय सिंह परिहार साथ ही सिंध सामुदायिक संगठन की अध्यक्षता में श्रीमती शारदा बाई परिहार जागृति महिला समुदाय समिति से श्रीमती उषा परिहार ब ग्राम के संगठन पदाधिकारी व अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही साथी ग्राम में संचालित लक्ष्मी मां उत्पादक समूह की गतिविधि बा टर्नओवर जोकि आज दिनांक तक 24 लाख है बताया गया उत्पादक समूह की सचिव श्रीमती सुमित्रा लोधी व अन्य विधियों के द्वारा उत्पादक समूह के द्वारा किए जा रहे कार्यों जैसे मूंगफली खरीदी खरीदी दाना निकालना मंडी जाकर विक्रय करना के बारे में बताया गया और ग्राम की बेरोजगार महिलाओं को रोजगार देने का बड़ा मिशन और विजन आज अजीब कमीशन करेरा के माध्यम से हमारी बहनों को आत्मनिर्भर बनाने का काम आजीविका मीशन बड़े जोरों पर काम रहा है और हमारे करैरा ब्लॉक के माध्यम से आजीविका मिशन की महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस सभा में उपस्थिति दर्ज की

पं. पु. बालासाहबजी देवरस की पुण्यभूमि मे तीन दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्मुखीकरण प्रशिक्षण

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे
बालाघाट

परम पुजनीय बालासाहब जी देवरस तृतीय सरसंघचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पुण्य भुमि कारंजा मे मंडला और छिंदवाडा विभाग की तीन दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्मुखीकरण प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन भाऊराव देवरस सभागार कारंजा मे आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण वर्ग के मुख्य अतिथि डॉ. आनंदराव क्षेत्रीय सहसंगठनमंत्री मध्यक्षेत्र, अध्यक्षता ए.के. उपाध्याय जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुनिता जैन प्राचार्य शासकीय दिलीप भटेरे साइंस महाविद्यालय किरनापुर की प्रमुख उपस्थिती मे वर्ग का उदघाटन हुआ। सर्वप्रथम माँ भारती का पूजन अर्चन कर सरस्वती वंदना का गायन किया गया, तत्पश्चात् मंचासीन अतिथियों का परिचय मनोजपुरी गोस्वामी सहविभाग समन्वयक मंडला के द्वारा कराया गया। उपस्थित अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। अतिथि आनंदराव के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ मे विस्तार पूर्वक

व्याख्या करते हुये बताया की यह भैया बहिनों के सर्वागीण विकास करने मे सहायक होगी। इस वर्ग मे रविशंकर शुक्ल प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख, शिवानंद सिन्हा सहप्रांत प्रमुख, के.जी.बिसेन जिला सचिव बालाघाट, इंदल पटेल प्रांत प्रकल्प प्रमुख, रामबहोरी पटेल क्षेत्र संयोजक प्रारंभिक शिक्षा, राजकुमार ठाकुर विभाग समन्वयक सागर, चुन्नीलाल बोपचे विभाग समन्वयक छिंदवाडा, हरिराम तिवारी छतरपुर, डॉ. प्रदीप बिसेन पूर्व कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृ.वि.वि.जबलपुर, एल .आर. राऊत कृषि.वि. बडगाव, राजेश राहांगडाले जिला प्राचार्य बालाघाट, सुरेश चुटे सचिव कारंजा, रामेश्वर मटाले सदस्य, विजय रामटेक्कर सचिव लाजी, विजय मस्करे, आलोक चौरसिया, अविनाश रैच, डॉ. वेदप्रकाश लिल्हारे, संजय पटले, बारेलाल बडघैया, रेवेन्द्र गौतम प्राचार्य कारंजा, शुभलेष साहू अधिक्षक कारंजा एवं समस्त आचार्य परिवार की उपस्थिति एवं सहभागिता रही।

हर्षोल्लास के साथ सावित्रीबाई फुले की 192 जयंती का आयोजन पल्हेरा मरारी टोला में

बैहर विधानसभा के पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम रहे उपस्थित

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे
बालाघाट

बालाघाट की बैहर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम के मुख्यातिथि में 03

जनवरी दिन मंगलवार को ग्राम पंचायत पल्हेरा मरारी टोला में श्रीमती कलेश्वर जामरे की अध्यक्षता में देश की पहली महिला शिक्षिका राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले जी की 192 जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर बारी-बारी से माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। अतिथियों एवं सामाजिक बंधुओं ने इस दौरान अपने अपने वक्तव्य में सावित्रीबाई फुले एवं महात्मा ज्योतिराव फुले के जीवन पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले जी ने अपने जीवन में बहुत सारी कठिनाइयों से गुजर कर महिलाओं में शिक्षा का अलख जगाया। वहीं मुख्य अतिथि बैहर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम ने अपने का उत्तरार्ध शैक्षणिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक आंदोलनो एवं समाज में व्याप्त अस्पष्टता बाल विवाह, सती प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या एवं शिक्षा के विरुद्ध लड़ाई का समय काल था, उस काल में शिक्षा समाज के कुछ उच्च वर्ग के लोगों की परिधि तक ही सीमित थी, ऐसे कठिन समय में महिलाओं और दलित पिछड़े वर्ग के पुरुषों के लिए शिक्षा संस्थानों के बंद दरवाजे खोलने का साहस, अथक प्रयास और संघर्ष जिस महान व्यक्तित्व ने किया वह थी सावित्रीबाई फुले। जी हां वही सावित्रीबाई फुले जिन्हें भारत की शिक्षिका के रूप से जाना जाता है। इन्होंने महिलाओं के लिए सती प्रथा जैसी कुरीतियों का आंदोलन कर पुनर्विवाह कराना शुरू किए।

10 लाख की लागत से निर्मित होने वाले पुलिया का किया भूमि पूजन-इसी कड़ी को ग्राम के नवयुवक एवं ग्रामीणों ने भगत सिंह नेताम से सावित्रीबाई फुले की स्टेचू का मांग किया, उसे सहजता से स्वीकार करते हुए कहां की 2 जनवरी को मेरा जन्मदिन रहता है, उसे नहीं मनाते हुए 3 जनवरी को राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले जी की जन्म जयंती मनाएंगे। सावित्री फुले जयंती मनाने के बाद श्री नेताम के द्वारा पल्हेरा मरारी टोला से मिनाही टोला मार्ग पर 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाली पुलिया का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित पुर्व विधायक भगत सिंह नेताम, पी. एल. कावरे पूर्व अध्यक्ष मरार माली समाज बिरसा, कंचन गिरी गोस्वामी, यशवंत मगरे, रमेश येडे ,ग्राम अध्यक्ष मंतू लाल पंचेश्वर, उपाध्यक्ष शंकर लाल चौधरी, ग्राम युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष ढाल सिंह चौधरी, बिरसा मरार माली युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुलाप मनेश्वर, उपसरपंच लेखराम मराठे,वार्ड पंच अनीता मरकाम, उर्वशी चौधरी, सरिता मेरावी, लक्ष्मी मराठे, दिलीप कावरे, श्रीमती माया चौधरी, सावित्री आचरे, विमला मराठे, सावन खैरवार, तारा मनेश्वर, डॉली जामरे, चित्रा पंचेश्वर, पार्षद मलाजखंड सूबेदार सिंह कुशवाहा, जयतलाल गाडेश्वर, बिरसा ग्राम अध्यक्ष रामप्रसाद आचरे, ग्राम अध्यक्ष टिंगा टोला तुलाराम कावरे, ग्राम अध्यक्ष गोवारी अनिल मनेश्वर, चंदन पंचेश्वर, सी एल मराठे, बालकृष्ण मनेश्वर, धरामलाल जामरे , संत कुमार पंचेश्वर, घनशराम खैरवार, पंचतिलक, पी एल खैरवार, रामलाल खैरवार, गणेश कावरे, अशोक कुमार चौधरी, टोपेंद्र मराठे, सियाराम पंचेश्वर, राकेश चौधरी, होमलाल सहारे, सहाबूलाल सहारे, विजेंद्र पंचेश्वर, हिरमत जामरे, रमेश गिरी गोस्वामी,विकाश पंचेश्वर,उमेश मराठे, देबिलाल पंचतिलक,हनुमत पंचतिलक,परम खैरवार, पंकज खैरवार, अंगत मनेश्वर,दयाराम मराठे, सालिक मनेश्वर,फूलचंद कावरे,चमनलाल चौधरी, योगेश पंचतिलक, बाबूराम पंचतिलक सहित ग्राम के समस्त नागरिक उपस्थित हुए।

बेटी संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में किया 65 बेटियों का सम्मान

ग्वालियर। महिला सशक्तिकरण एवं नारी सम्मान को लेकर पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता द्वारा विगत 10 वर्षो से 30 दिसम्बर के दिन आयोजित किये जा रहे बेटी संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में आज बुधवार केआरजी कॉलेज में बेटी संरक्षण दिवस के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाशाली 65 बेटियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर एकल युवा ग्वालियर द्वारा ओपन माइक के माध्यम से बेटियों को अभिव्यक्ति का मंच उपलब्ध कराया गया तथा बेटियों को बोलने का अवसर प्रदान किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती मीना सचान, कॉलेज के प्राचार्य डॉ एम आर कौशल सहित अन्य शिक्षक व शिक्षकाएं एवं कॉलेज की छात्राएं उपस्थित रहीं।शासकीय कमलाराजा स्नातकोत्तर स्वशासी कन्या महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कॉलेज की शिक्षकाओं द्वारा किया गया।

इस अवसर पर पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता ने बेटियों को संबोधित करते हुए कहा कि कन्याओ। की हत्या मानवता का प्रतीक नहीं हैं हमें मानवता का सन्देश देकर बालिकाओ की सुरक्षा करनी होगी तथा बालिकाओ के खिलाफ अपराध करने वालो को दण्डित करना होगा। उन्हानें कहा कि बालिकाएं हमारे लिए बोझ नहीं सम्पति है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा बेटियों के संरक्षण और शिक्षा के लिए बेटी बचाओ बेटी पढाओ जैसे अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। हमें इन अभियानों में सहयोग कर बालिकाओं को इन योजनाओं के प्रति जागरूक करना होगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कारों में बेटियों को देवी रूप का दर्जा प्राप्त है। देवियों की पूजा के अवसर पर महिलाओ की पूजा विशेष रूप से देखने को मिलती है। आज हम सभी भारतीय कन्या पूजन के लिए अनेक त्यौहार मनाते है। यानि महिलाओ को प्राचीन समय से महत्व दिया जा रहा है।

परिषद में पार्षदों की आपसी खींचतान में 175 लोगों के प्रधानमंत्री आवास योजना की 1.75 करोड़ रुपए की राशि शासन ने वापस खींची

नई पारिषद बनने के बाद नगर पालिका परिषद के पार्षदों के बीच चल रहा है मतभेद, शासन की सभी योजनाएं ठप

गोहद। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए बरसों से आवास की चाह में इंतजार कर रहे हितग्राहीयों को पार्षदों की आपसी खींचतान के चलते पतीला लग गया है। मध्य प्रदेश शासन के द्वारा 411 प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के लिए 4.11 करोड़ रुपए की राशि नगर पालिका परिषद गोहद को शासन के द्वारा भेजी गई थी। पहले प्रधानमंत्री आवास योजना में 533 लोगों को जोड़ा गया था परंतु शिकवा शिकायत के चलते यह संख्या 533 से घटकर 459 की डीपीआर बनवाई गई फिर यह आंकड़ा 453 हो गया फिर भी शिकवा शिकायत नहीं रुकी तो शासन के द्वारा 411 हितग्राहियों के लिए एक- एक लाख रुपए के हिसाब से पहली किस्त के रूप में 4.11 करोड़ रुपए की राशि नगर पालिका परिषद गोहद को उपलब्ध कराई थी। परंतु परिषद में पार्षदों की आपसी खींचतान के चलते सीएमओ की स्थाई व्यवस्था न होने पर प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों की राशि उनके बैंक अकाउंट में नहीं डल सकी। इधर परिषद में भी उत्तल पुथल मची रही और सामंजस्य नहीं बैठ पाया। दूसरा कारण 15 दिन के अंदर चार-चार सीएमओ के बदलने से राशि डलने व फाइल वर्क नहीं हो सका। इसके अलावा वर्तमान सीएमओ महेश पुरोहित पर लहार व गोहद दो स्थानों का प्रभार होना। इन सब के चलते समय सीमा मैं प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र गरीब हितग्राहियों के बैंक खातों में

राशि समय पर नहीं डाल सकी, जिससे समय निकल जाने के कारण व समय सीमा खत्म हो जाने पर शासन ने 411 में से 175 हितग्राहियों की पहली किस्त की (प्रत्येक हितग्राही पर एक एक लाख रुपए की राशि) 1.75 करोड़ रुपए की राशि नगर पालिका परिषद गोहद के खाते से वापस खींच ली।अब शासन को पत्र भेजकर पीट रहे हैं लकीर- पहले आपसी खींचतान के चलते समय सीमा में कार्य ना करने के कारण शासन ने जब राशि नगर पालिका परिषद गोहद के अकाउंट से वापस खींच ली तो अब पार्षद, अध्यक्ष व सीएमओ शासन को पत्र लिखकर लकीर पीट रहे हैं।दोषियों पर क्या कार्रवाई होगी? -नगरपालिका परिषद की ढुलमुल कार्यशैली और नेताओं की आपसी खींचतान के चलते गरीब बेघर हितग्राहियों के आशियाने बनने से पहले ही उनसे छिन गए इसका जिम्मेदार कौन होगा क्या शासन दोषियों पर कार्यवाही करेगा? यह एक प्रश्न है। जिसका जवाब आने वाले समय में जनता जरूर देगी।नगर के अन्य विकास कार्यों का भी यही हाल- परिषद के कई ठेकेदार जो स्थानीय नेताओं के चहीते है 5 से 6 वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं कर पाए विकास कार्यों को पूर्ण। जिनमें बैसली नदी डैम के पास का सुंदरीकरण, लक्ष्मण ताल का सुंदरीकरण, केशव पार्क का सुंदरीकरण, ताल तलैयों का सुंदरीकरण, सब्जी मंडी की बाउंड्री वाल, नगर पालिका परिषद की बाउंड्री वॉल, बिडखरी गेट श्मशान घाट का निर्माण, संत रविदास पार्क का सुंदरीकरण लगभग आदि लगभग आधा सैकड़ा निर्माण कार्य आज भी अधूरे पड़े हुए हैं।वर्जन- प्रधानमंत्री आवास योजना की 411 लोगों में से 175 हितग्राहियों की 1.75 करोड़ रुपए की राशि शासन ने वापस मंगा ली है जिसे वापस लेने के लिए शासन को पत्र भेजा गया है।**महेश पुरोहित मुख्य**

खुशियों की दास्तां: पक्का घर बनने से समाज में हमारी पूछ-परख बड गई है

ग्वालियर । हुनरमंद हूर बानो और मेहनतकश हैदर खान ने लाख प्रयास किए पर अपना पक्का घर नहीं बनवा पाए। हूर बानो चिंतित रहती कि मेरी सारी जिंदगी कच्ची झौंपडी में ही गुजर जाएगी। लेकिन उनकी चिंता निर्मूल साबित हुई। सरकार से मदद मिली और उनका पक्का घर बन गया।यह सच्ची कहानी है ग्वालियर शहर के वार्ड-64 की शंकरपुर बस्ती निवासी हूर बानो की। हूर बानो बताती है कि तीन बच्चों व पति सहित मेरे परिवार में पाँच सदस्य हैं। मैं कालीन बनाती हूँ और पति दिहा?ी श्रमिक हैं। दोनों मेहनत-मजदूरी कर इतना कमा लेते कि परिवार का गुजारा आराम से चल जाता। मेरी एक ही तमन्ना थी कि कच्ची झौंप?ी के स्थान पर पक्का मकान बन जाए। मेरी आमदनी इतनी नहीं थी कि परिवार के रोज मर्रा के खर्चे निकालकर मकान के लिए पैसे बचा सकूं। हूर बानो कहती हैं कि मुझे अपने रिश्तेदार से पता चला कि सरकार आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर बनवाने के लिए आर्थिक मदद देती है। हमने भी नगर निगम में अपनी अर्जी लगा दी। वे बताती हैं नगर निगम के कर्मचारी ने जब हमारे घर आकर इत्तला दी कि हूर बानो आपका पक्का घर मंजूर हो गया है, तो हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उस दिन पति काम पर और बच्चे स्कूल नहीं गए। सभी ने घर में जश्न मनाया। भावुक होकर हूर बानो कहती हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मुझे घर बनाने के लिए तीन किश्तों में ढाई लाख रूपए मिले। इससे हमने अपनी खुशियों का घरौंदा तैयार कर लिया है।

सर्दियों में स्वाद के साथ सेहत के लिए बनाएं खसखस का हलवा, जानें आसान रेसिपी

खसखस का हलवा सेहत के लिहाज से बेहद फायदेमंद माना जाता है। ये टेस्टी होने के साथ ही दिमाग को भी लाभ पहुंचाता है। और आटे का हलवा तो लगभग सभी घरों पर मौके-बेमौके बनाया जाता है, लेकिन अब तक आपने अगर खसखस के हलवे को घर पर ट्राई नहीं किया है तो आज हम आपको खसखस के हलवे को घर पर बनाने की रेसिपी बताने जा रहे हैं। ये खाने में जितना टेस्टी है बनाने में उतना ही बनाने में आसान है...

यही वजह है कि खसखस का हलवा खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों को खाने की सलाह दी जाती है। गाजर का हलवा, मूंग दाल का हलवा, सूजी का हलवा

सामग्री
खसखस- 1 कप
दूध- 1 कप
बादाम- 10
घी- 1 कप
चीनी- 1 कप
इलायची पाउडर- 1/4 टी स्पून
काजू- 10

खसखस का हलवा बनाने की विधि

1. खसखस का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले खसखस को लें और उन्हें साफ कर पानी में रातभर के लिए भिगोकर रख दें।
2. अगले दिन भीगे हुए खसखस को पानी से निकालें और मिक्सर या सिल बट्टे की मदद से इन्हें बारीक पीस लें।
3. खसखस पीसते वक्त जरूरत के हिसाब से पानी मिलाते रहें। खसखस के पेस्ट को एक बाउल में अलग निकालकर रख दें।
4. अब एक कड़ाही लें और उसमें घी डालकर मीडियम आंच पर गर्म करने के लिए रख दें।
5. जब घी पिघल जाए तो उसमें खसखस का पेस्ट डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक भून लें।
6. जब खसखस का रंग बदल जाए तो उसमें दूध और चीनी डालकर चलाते हुए गाढ़ा होने तक पका लें।
7. इसे पकने में लगभग 5 मिनट का वक्त लगेगा। इस दौरान काजू और बादाम के बारीक-बारीक टुकड़े कर लें।
8. जब हलवा घी छोड़ने लग जाए तो उसमें इलायची पाउडर और कटे हुए ड्राइ फ्रूट्स डाल दें और सभी को हलवे में अच्छी तरह से मिक्स कर दें।
9. अब इसे 2 मिनट तक और पकाएं, इसके बाद गैस बंद कर दें। आपका स्वादिष्ट खसखस का हलवा बनकर तैयार है।

बीबी 16 में इस कंटेस्टेंट का फाइनलिस्ट बनने का सपना हुआ पूरा? सामने आई मेकर्स की जबरदस्त प्लानिंग

छोटे परदे का फेमस रियलिटी शो बिग बॉस आए दिन अपने फैंस के लिए नए ट्विस्ट और टर्न्स लेकर हाजिर हुआ रहता हैं। वही बिग बॉस के घर में आए दिन बवाल मचा हुआ दिखाई देता हैं। वही शो अब अपने फिनाले के करीब जाता हुआ दिखाई दे रहा हैं। ऐसे में शो में मौजूद सभी कंटेस्टेंट फिनाले की रेस तक पहुंचने के लिए जी-जान से लगे हुए हैं। लेकिन इसी बीच अब

एक खबर ऐसी सामने आ रही जिसमे कहा जा रहा है की बिग बॉस के एक कंटेस्टेंट की किस्मत का ताला अब खुल चूका हैं। दरअसल इस शो की हर एक हरकत पर फैंस ने नजरें बनाई हुई हैं, जिस वजह से ट्विटर पर बिग बॉस 16 और इसके कंटेस्टेंट्स की चर्चा लगातार हो रही है। शो में प्रियंका चाहर चौधरी भी नजर आ रही हैं और प्रियंका इस सीजन की मजबूत कंटेस्टेंट हैं। कई बार दावा किया गया है कि बिग बॉस और सलमान खान, प्रियंका को टारगेट करते हैं। फैंस सोशल मीडिया पर ये भी कह रहे हैं कि प्रियंका चाहर चौधरी को बिग बॉस 16 की फाइनलिस्ट बनाने की तैयारी भी खूब जोरों से हो रही है। ट्विटर पर कुछ लोगों का कहना है कि प्रियंका टॉप 2 में पहुंचेंगी और ये मेकर्स की प्लानिंग के तहत भी हो सकता है। प्रियंका चाहर चौधरी को टीवी सीरियल उडारियां से फैंस के बीच पॉपुलैरिटी हासिल हुई और ये सीरियल कलर्स टीवी पर टेलीकास्ट हुआ था, जिसे रेटिंग भी अच्छी खासी मिली। इस सीरियल की वजह से कलर्स के फैंस प्रियंका के भी दीवाने हैं। वही फैंस अब ये भी कयास लगाते हुए दिख रहे हैं की प्रियंका पुरे हफ्ते घर में काफी एक्टिव रहती हैं लेकिन वीकेंड के वार पर प्रियंका शांत पड़ जाती हैं। ऐसा इसलिए होता है क्यों की वीकेंड के वार पर सलमान प्रियंका पर हावी होते हुए नजर आते हैं। जिस वजह से भी एक्ट्रेस काफी ज्यादा लाइमलाइट में आ जाती हैं। वही फैंस अब पिछले के सीजन से भी ये उम्मीद लगा रहे है की जिस तरह सलमान वीकेंड के वार पर रुबीना दिलैक पर हावी होते दिखे थे और वो कलर्स की फेस भी थी और इसी तरह मेकर्स एक्ट्रेस को बिग बॉस के सीजन में जीत दिलाई थी।

सर्दियों में भूलकर भी फ्रिज में न रखें ये सब्जियां, फायदे की जगह सेहत को पहुंचाएगी नुकसान

खाने-पीने की चीजों को फ्रेश रखने के लिए लोग फ्रिज में स्टोर किया जाता है, लेकिन सर्दियों में कुछ फूड्स को फ्रिज में स्टोर नहीं करना चाहिए। इससे उनकी तासीर बदल सकती है। तासीर बदलने से यह फूड बॉडी में जहर की तरह असर करते हैं। इसके अलावा यह हैल्थ के लिए भी नुकसानदायक हो सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि सर्दियों में किन-किन सब्जियों को फ्रिज में स्टोर नहीं करना चाहिए....

टमाटर

एक्सपर्ट्स के अनुसार टमाटर को फ्रिज में स्टोर नहीं करना चाहिए। यदि आप इसे रखना चाहते हैं तो कमरे के तापमान में स्टोर कर सकते हैं। फ्रिज में रखने से टमाटर के स्वाद, बनावट और सुगंध में बदलाव होने लगता है। टमाटर पकने के बाद एथिलीन गैस छोड़ती है जो सब्जियों को तेजी से पकाती हैं।

एवोकाडो

एवोकाडो को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। इसमें फैटी एसिड काफी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है इसका सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम होता है। इसलिए एवोकाडो को फ्रिज में रखने से उसकी बाहरी परत सख्त होने लगती है और अंदरुनी भाग खराब होने लगता है। कच्चे एवोकाडो को फ्रिज में रखने से वह कच्चे ही रहेंगे और खराब हो जाएंगे जो आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

खीरा

एक शोध के अनुसार, यदि खीरे को 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे कुछ दिनों के लिए रखा जाए तो यह तेजी से सड़ने लगता है। खीरे को आप फ्रिज में न रखें बल्कि इसे आप नॉर्मल तापमान पर रखें। ज्यादा समय तक फ्रिज में रखने से खीरा आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

आलू

आलू को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए इसमें मौजूद स्टार्च शुगर में बदल जाता है जो शुगर मरीजों की ब्लड शुगर बढ़ा सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, आलू को फ्रिज में रखने की बजाय आप नॉर्मल तापमान पर रख सकते हैं।

लहसुन

लहसुन भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। आप इसे नॉर्मल टेमप्रेचर में स्टोर करके रख सकते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, इससे लहुसन की तासीर नहीं बदलती और वह सेहत के लिए भी फायदेमंद रहता है।

सर्दियों में लड़के मफरल को इन चार तरीके से कर सकते हैं कैरी, दिखेंगे कूल

लड़कियां हों या लड़के, हर कोई स्टाइलिश और फैशनेबल दिखना चाहते हैं। अपने लुक और आउटफिट से हर किसी को प्रभावित करना चाहते हैं। ऐसे में लड़के भी लड़कियों की तरह ट्रेंडी कपड़ों को कैरी करते हैं और दूसरों से अलग व बेहतर दिखने के लिए फैशन ट्रेंड को अपनाते हैं। लड़कियों के लिए कपड़ों से लेकर ज्वेलरी, मेकअप आदि सब में काफी विकल्प होता है। हालांकि लड़के भी अगर सही तरीके से तैयार होना चाहते हैं तो उनके लिए भी विकल्प की कमी नहीं है। सर्दी का मौसम चल रहा है। इस मौसम में सर्द हवाओं से बचने और स्टाइलिश दिखने के लिए लड़के अपने एक्सेसरीज में मफरल को शामिल करते हैं। हालांकि सर्दियों में ज्यादातर लड़के मफलर को कैरी करते हैं। ऐसे में अगर आप दूसरे लड़कों से अलग दिखना चाहते हैं तो मफलर को सही तरीके से कैरी करें। यहां सर्दियों में मफलर को चार अलग तरह के कैरी करने के तरीके बताए जा रहे हैं। आइए जानते हैं लड़के मफलर में कैसे दिख सकते हैं स्टाइलिश । सर्दी में दफ्तर से लेकर पार्टी तक के मौके पर लड़के मफलर डालते हैं। मफलर डालने का यह तरीका काफी स्टाइलिश और आरामदायक होता है। इसमें गले में मफलर को लपेट के दोनों छोर अलग अलग तरफ से कंधे से बाहर की ओर निकालते हैं। शर्ट पहन रखी हो या स्वेटर व कोट कैरी किया हुआ हो, मफलर का यह स्टाइल हर तरह के कपड़े पर बेहतर लगता है। मफलर को पूरी तरह से गले पर लपेटकर उसके छोर अंदर की ओर ढक लें। सर्द हवाओं से बचने और स्टाइलिश दिखने के लिए मफलर की नॉट बनाकर इस तरह से कैरी कर सकते हैं। यह तरीका आपको फैशनेबल लुक तो देता ही है, साथ ही ठंडी हवाओं के बीच आपको गर्माहट का अहसास भी कराता है। मफलर कैरी करने के चार तरीकों में सबसे आसान तरीका है गले में दोनों छोर पर मफलर को लपेटना। इसमें न तो मफलर की गांठ बनानी है और न ही गोल लपेटना है। यह तरीका हर तरह के आउटफिट पर अच्छा लगेगा।

पित्त दोष के कारण पाचन और मूड संबंधी हो सकती हैं दिक्कतें, इन योगासनों से मिलता है लाभ

योगासनों को संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने वाले अभ्यास के तौर पर जाना जाता है, जिससे मन शांत रखने के साथ कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं के जोखिम को कम करने तक के लाभ हैं। आयुर्वेद शास्त्र के अनुसार शरीर में बीमारियों के लिए तीन दोष प्रमुख कारक हैं- वात, पित्त और कफ। इनमें होने वाले असंतुलन की स्थिति, दोष के आधार पर शरीर की सेहत को प्रभावित कर सकती है। आयुर्वेदिक दिनचर्या में योगासनों को शामिल करने को विशेष लाभकारी बताया गया है, इससे इन तीनों को संतुलित रखने में भी मदद मिल सकती है। इस लेख में हम पित्त दोष के कारण होने वाली समस्या और इसमें सुधार करने वाले योगासनों के बारे में जानेंगे। जिन लोगों को पित्त दोष की समस्या होती है उनको शरीर में अत्यधिक गर्मी पैदा होने, एसिड, गैस, अपच जैसी समस्याओं का जोखिम अधिक होता है। इस तरह की दिक्कतों पर ध्यान न देने की स्थिति में आगे चलकर गंभीर रोग विकसित होने का भी खतरा हो सकता है। शरीर के तापमान की स्थिति को भी प्रभावित कर सकती है। पित्त दोष के कारण कब्ज और अपच की समस्या के अलावा जोड़ों की सूजन, गुस्सा और चिड़चिड़ापन, शरीर की गंध और बहुत ज्यादा पसीना आने की भी समस्या हो सकती है। शरीर की क्षमता से अधिक मेहनत करने पर भी पित्त दोष में वृद्धि हो जाती है। इसे कई प्रकार के योगासनों के माध्यम से कंट्रोल किया जा सकता है। सर्वांगासन योग को पित्त विकारों से संबंधित समस्याओं को दूर करने और शरीर में कूलिंग इफेक्ट को बढ़ावा देने में लाभकारी अभ्यास के तौर पर जाना जाता है। पित्त बढ़ने की स्थिति में मन की आशांति भी बढ़ जाती है, इस तरह की समस्याओं के जोखिम को कम करने में भी सर्वांगासन योग के अभ्यास से लाभ पाया जा सकता है। शोधकताओं ने पाया कि सर्वांगासन योग रक्त संचार को ठीक रखने और पाचन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद अभ्यास है। बटरफ्लाई पोज का अभ्यास करके भी पित्त विकार के कारण होने वाली कई तरह की समस्याओं के जोखिम को कम करने और पित्त को शांत करने में लाभ मिल सकता है।

क्या आप शादी के लिए तैयार हैं? इन 5 बातों से जानें

जोड़ियां आसमानों में बनती हैं लेकिन इन्हें धरती पर ही निभाया जाता है। आजकल रिश्तों की डोर इतनी कच्ची होने लगी है कि कम समय में ही टूटने लगती है। जबकि यह रिश्ता तो उम्रभर के लिए साथ होता चाहिए। विवाह करके अपना परिवार बसाने और खुशियां पाने का सपना सबका होता है लेकिन कई बार यह फैसला इतनी जल्दबाजी में लिया जाता है कि कुछ दिन बाद ही सपने के टूटने जैसा आभास होने लगता है। शादी करने और अपनी रिलेशनशिप को स्थाई रूप देने का निर्णय आसान नहीं होता। इसके पहले कई बातों पर गंभीरता से गौर करने की जरूरत होती है क्योंकि जल्दबाजी में लिए गए फैसले अक्सर लम्बे नहीं टिक पाते। खासकर आजकल के दौर में जब रिश्ते स्टेटस अपडेट से भी अधिक आसानी से चेंज कर दिए जाते हैं। ऐसे अगर आप अपने रिश्ते को जीवनभर के साथ का नाम देने का फैसला करने वाले हैं तो जरूरी है कि कुछ बातों को ध्यान में रखें,

जैसे- जिस तेजी से आजकल सामाजिक स्थितियां बदल रही हैं, उसका असर रिश्तों पर भी पड़ा है। खासकर युवाओं में रिश्तों के निबाह को लेकर कई तरह के असमंजस और भय भी पनप रहे हैं। इसके चलते यदि वे भावनावश या स्थितिवश विवाह का निर्णय ले भी लेते हैं तो जल्द ही दम्पत्ति के बीच मनमुटाव और तकरार शुरू होने लगती है। ऐसा लगने लगता है कि गलत फैसला ले लिया। यही कारण है कि टूटते रिश्तों की संख्या प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और विवाह नाम की एक बहुत महत्वपूर्ण संस्था के प्रति लोगों के मन में अनिश्चितता सी पनपने लगी है। जरूरी है कि जीवनभर के इस साथ से पहले एक बार खुद का आकलन किया जाए, ताकि रिश्ता लम्बा हो, खुशहाल हो और निर्णय पर कभी पछतावा न हो। आप स्थितियों से समझौता करने या एडजस्टमेंट करने से कतराते हैं, तो विवाह के बंधन में बंधने से पहले थोड़ा समय खुद को सुधारने के लिए दें। हालांकि अधिकांश मामलों में यह उम्मीद महिलाओं से की जाती है कि वे हर वातावरण से सामंजस्य बैठा लेंगी, लेकिन यह स्त्री-पुरुष दोनों के लिए ही जरूरी है। लम्बे समय में यह व्यवहार दिक्कत दे सकता है। कभी-कभार, किसी बात के लिए एडजेस्टमेंट न कर पाना अलग बात है लेकिन हमेशा साथ रहने पर यह आदत दिक्कत दे सकती है। चाहे आप लम्बी कोर्टशिप के बाद ही विवाह क्यों न कर रहे हों, इस बारे में विचार जरूर करें कि सामंजस्य का मतलब रिश्ते को धैर्य से सहेजना होता है। यदि आपस में प्रेमभाव है तो पति- पत्नी दोनों में स्थितियों के अनुरूप थोड़ा बहुत सामंजस्य बैठाने की आदत होनी चाहिये। यहाँ सामंजस्य बैठाने का मतलब गलत या प्रताड़ना को सहन करना नहीं है। केवल मैं ही सही, नहीं आप अपनी गलतियों को कभी नहीं स्वीकारते या केवल अपना ही पक्ष सही साबित करने पर तुले रहते हैं तो भी आपको विवाह बंधन में बंधने की जल्दबाजी नहीं करना चाहिए। अगर अब तक आपका परिवार आपकी इस बात को सहन कर रहा है तो जरूरी नहीं कि आने वाले समय में आपका जीवनसाथी भी ऐसा करे। बल्कि भावनात्मक रूप से यह उसके लिए सजा बन जायेगा। किसी भी बात के दो पहलू होते हैं, इसलिए केवल किसी एक पहलू का पल्लू पकड़कर अपनी बात पर अड़े रहना कभी भी समाधान नहीं दे सकता। इस आदत को सुधारने की कोशिश करें। एक-दूसरे को समझने का अपर्याप्त समय चाहे प्रेम विवाह हो या अरेंज मैरिज, अगर आपको लगता है कि आपको अपने पार्टनर को जानने का पर्याप्त मौका और समय नहीं मिल पाया है

इन बातों को जानें क्या है जरूरी यदि आप शादी के लिए तैयार होतो जोड़िया आसमाल से बनती बै निभाया धरती पर जाता है यह एक अनोखा बधंन है

सीनियर मैनेजर जमना ऑटो इंडस्ट्रीज ने किया सम्मानित

समाजसेवी अरुणेश सिंह भदोरिया

पुष्पांजली टुडे

मालनपुर। किसी भी कंपनी की उन्नति उसके प्रबंदक के साथ साथ कर्मचारियों पर निर्भर करती है मुझे यह कहने में बिलकुल भी हिचक नहीं है कि जमना ऑटो इंडस्ट्रीज लिमिटेड मालनपुर हमेशा अपने कर्मचारियों के द्वारा किया जाने वाला सहयोग जिसकी वजह से कंपनी कि उत्पादकता , गुणवत्ता बडती है उनकी मेहनत का फल उनको किसी न किसी रूप में देने का प्रयास करती रहती है कंपनी इसके लिए लॉन्ग सर्विस अवार्ड के माध्यम से समय समय पर कर्मचारियों को सम्मानित करती रहती है , यह किसी भी कम्पनी के द्वारा किया जाने वाला एक सरहायनी प्रयास रहता है ताकि कर्मचारी अपनी पूरी निष्ठां एवं लगन से कम्पनी के साथ जुडे रहे।

जेसीआई ग्वालियर मेट्रो की नई टीम गठित

ग्वालियर के निजी होटल में जेसीआई ग्वालियर मेट्रो की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया, जहां पर वर्ष 2023 के लिए नवीन टीम की घोषणा की गई जिसमें जैसी विपिन अग्रवाल को अध्यक्ष, जैसी अतुल गर्ग को सचिव, जैसीरेट रीना गोस्वामी को महिला विंग की चेयर पर्सन घोषित किया गयावार्षिक आम सभा का संचालन सभापति के तौर पर अध्यक्ष जैसी मनीष शर्मा द्वारा किया गया आभार मान सभी मानसेवी सचिव अतुल गर्ग द्वारा किया गया सभी पूर्व अध्यक्षों ने नवीन टीम को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी संस्थापक अध्यक्ष जैसी अनुपम तिवारी ने अपने उद्बोधन में नए कार्यक्रम को आयोजित करने पर जोर दिया सदस्यों के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया बंधुत्व भावना के साथ में संस्था को संचालित करने का आह्वान किया साथ ही अनुशासन और संस्कार के साथ नए सदस्यों को संस्था में शामिल करने का भी आह्वान किया गया जेसीआई ग्वालियर मेट्रो जनवरी माह में मकर संक्रांति का आयोजन संयुक्त कार्यकारिणी सभा प्रथम कार्यकारिणी सभा और अपना शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

पुलिस बॉडी वार्न कैमरों के साथ करेगी शहर की यातायात व्यवस्था को संचालित

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देश पर अति0 पुलिस अधीक्षक शहर-मध्य/यातायात श्रीमती मृगाखी डेका द्वारा पुलिस मुख्यालय भोपाल से प्रदाय किये गये बॉडी वार्न कैमरे यातायात पुलिस के 35 पुलिस अधिकारियों को प्रदान किये गये। इस मौके पर यातायात थाना प्रभारी निरी0 बैजनाथ प्रजापति, प्रभारी यातायात पूर्व क्षेत्र सूबेदार हिमांशु तिवारी, प्रभारी यातायात पश्चिम क्षेत्र सूबेदार अभिषेक रघुवंशी के साथ यातायात पुलिस के समस्त अधिकारीगण मौजूद रहें।यातायात पुलिस के अधिकारियों को आज प्रदान किये गये इस बॉडी वार्न कैमरों का मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था बनाये रखने के लिये की जाने वाली चालानी कार्यवाही में पारदर्शिता लाना एवं वाहन चैकिंग केदौरान आमजन से होने वाले विवादों से बचाव करना है। प्रायः देखने में आता है कि यातायात के सुचारू संचालन एवं वाहन चैकिंग के दौरान अक्सर यातायात व्यवस्था बना रहे यातायात पुलिस के अधिकारी के साथ आमजन का विवाद हो जाता है, जिससे विभाग की छवि धूमिल होती है। इन घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से ही यातायात पुलिस के अधिकारियों को चैकिंग के दौरान बॉडी वार्न कैमरे पहनकर ही ड्यिूटी करने के निर्देष दिये गये है। इस हेतु आज मेला स्थित यातायात पूर्व कार्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

मलिन बस्ती के 160 परिवारों को आवंटित किए प्रधानमंत्री आवास

ग्वालियर । प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर निगम द्वारा बालभवन में हितग्रहियों को मकानों का आवंटन किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के मलिन बस्ती में रहने वाले 160 परिवारों को मकानों का आवंटन पहले आओं पहले पाओं के आधार पर किया गया। इस अवसर पर अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता, संपदा अधिकारी अरविंद चतुर्वेदी एवं मनीष यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।संपदा अधिकारी चतुर्वेदी ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशन में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत ईडब्ल्यूएस मलिन बस्ती एवं ई.डब्ल्यू. एस गैर मलिन बस्ती के हितग्राहियों को आवास का आवंटन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत ईडब्ल्यूएस मलिन बस्ती एवं ई.डब्ल्यू. एस गैर मलिन बस्ती के आवेदकों को शासन के आदेश कमाक एफ-01-01/2016 / 18-3 भोपाल दिनांक 11.11.2021 के अनुसार आवास आवंटन किया जाना है। साथ ही राजीव आवास योजना के आवेदकों को शासन के आदेश कमांक एफ-10-31 / 18-2/2007 भोपाल दिनांक 01.11.2014 के अनुसार लॉटरी के माध्यम से आवंटन होना है।

निगम मुख्यालय पर महापौर करेंगीं लोकमंत्रणा

ग्वालियर । महापौर डॉ शोभा सतीश सिंह सिकरवार द्वारा आमजनों की समस्याओं से रूबरू होकर उनका निराकरण समयसीमा में करने के उद्देश्य से 5 जनवरी को दोपहर 12 से 2 बजे तक निगम मुख्यालय पर महापौर लोकमंत्रणा करेंगीं। इस कार्यक्रम के तहत महापौर निगम के विभागीय अधिकारियों के साथ बैठकर आमजनों की समस्यायें सुनकर और उनका मौके पर निराकरण भी कराएंगीं। जिन समस्याओं का मौके पर निराकरण संभव नहीं होगा उसके लिये एक निश्चित समयसीमा निर्धारित कर समस्या का निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। इस कार्यक्रम के तहत आमजन महापौर को शहर विकास के लिये अपने आवश्यक सुझाव भी दे सकेंगे।सिटीसेन्टर स्थित निगम मुख्यालय के सभागार में ''महापौर लोकमंत्रणा'' कार्यक्रम के तहत आमजनों द्वारा जो समस्यायें बतायी जायेगी उनको पंजीबद्ध कर निराकरण किया जायेगा। साथ ही जिन समस्याओं का निराकरण समयसीमा में किया जाना है। उनके लिये निराकरण के पश्चात संबंधित आवेदक को निराकरण के संबंध में जानकारी भी दी जावेगी। महापौर डॉ शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने बताया कि शहर के निवासियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम एवं भ्रमण के दौरान अपनी-अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया जाता है, जिनका निराकरण कार्यक्रमों एवं भ्रमण के दौरान करना संभव नहीं हो पाता है। इसी उद्देश्य से ''महापौर लोकमंत्रणा'' कार्यक्रम गुरूवार को प्रारंभ किया जा रहा है इससे जहां लोगों की समस्याओं का निराकरण होगा वहीं आमजनों की अपनी समस्याओं को बताने का एक मंच भी उपलब्ध होगा। निगम के अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर आमजनों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में जो भी समस्यायें आयेंगी उनको न केवल पंजीबद्ध किया जायेगा बल्कि उनका निराकरण समयसीमा में सुनिश्चित भी किया जावेगा तथा की गई कार्यवाही से आवेदक को सूचित करने की कार्यवाही भी की जावेगी।

अधिकारियों ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, कर्मचारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

ग्वालियर । स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 एवं ग्वालियर शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृण करने के उददेश्य से नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देश पर नगर निगम के सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं वार्ड मॉनीटरों द्वारा अपने संबधित वार्ड में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया जा रहा है। जिसके तहत बुधवार को विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था को देखा तथा सीटीपीटी चेक किए एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निगमायुक्त किशोर कन्याल के निर्देशानुसार अपर आयुक्त आर के श्रीवास्तव द्वारा वार्ड क्रमांक 21 पंचशील नगर, इंद्रमणि नगर का निरीक्षण किया तथा क्षेत्र के सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता द्वारा वार्ड 42 एवं 50 भ्रमण किया गया तथा वीरपुर ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीरपुर ट्रांसफर स्टेशन का लोडर का कंटेनर के दोनों लॉक खराब हैं, जिसकी वजह से उसमें पूरी क्षमता से काम नहीं हो रहे हैं जिसको लेकर नोडल ऑफिसर महेंद्र अग्रवाल को निर्देश दिए गए7 उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता द्वारा ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया तथा सफाई व्यवस्था को देखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त डा अतिबल सिंह यादव द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर सफाई कर्मचारियों की उपस्थित देखी तथा आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। वार्ड 5 में निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं को देखा और आवश्यक निर्देश दिए। वहीं वार्ड 64 ग्रामीण हीरा नगर का कचरा ठिया समाप्त कर रंगोली बनाई गई। इसका निरीक्षण किया और इसी प्रकार की स्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त सत्यपाल सिंह चैहान द्वारा महाराज बाडा क्षेत्र सहित अन्य कई क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर सफाई कर्मचारियों की उपस्थित चेक की और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सफलता की कहानी

दो पक्षों के मध्य वर्षों से चले आ रहे रास्ते के विवाद का निराकरण कराकर रास्ते को कराया मुक्त

शिवपुरी- बीट कार्यक्रम एवं समझौता समाधान आपके द्वार के अंतर्गत ग्राम राजा की मुंडेरी तहसील शिवपुरी वृत्त सतनवाडाकलां में दो पक्षों के मध्य वर्षों से चले आ रहे रास्ते के विवाद को सुलह कराकर रास्ते को मुक्त कराया गया है। दोनों पक्षों ने खुशी-खुशी एक-दूसरे को पुष्पमाला पहनाकर एवं गले मिलकर आपसी समझौते से वर्षों के विवाद को खत्म किया।दोनों पक्षों में मोहन सिंह भदौरिया एवं भूपेन्द्र सिंह जादौन मुख्य पक्षकार थे। यह रास्ता विवाद के चलते समस्त ग्रामवासी भी परेशान थे। इस विवाद को मंगलवार को आयोजित होने वाले बीट समाधान के अंतर्गत लिया गया। समझौता समाधान के तहत ग्राम पंचायत में अनुविभागीय अधिकारी के निर्देशन में तहसीलदार शिवपुरी, नायब तहसीलदार वृत्त सतनवाडाकलां, समस्त बीट कार्यक्रम के सदस्य उपस्थित रहे। विवाद के कारण को जानने के लिए दोनों पक्षकारों को समक्ष में बुलाया गया एवं उभयपक्ष को सुनने के पश्चात वस्तुस्थिति की जाँच के लिए मौका निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के उपरांत पाया कि रास्ते की भूमि को निजी स्वत्व की मानकर कटीले झाड एवं वृक्षों की डालों से रोका गया था। मौके पर नक्शा के अनुसार रास्ता न बने होने से यह स्थिति निर्मित हुई। रास्ता परमपरागत एवं रूढ़िगत था जिसकी ग्राम पंचों द्वारा पुष्टि भी की गई। अनुविभागीय अधिकारी एवं ग्राम प्रबुद्धजनों द्वारा उभय पक्ष को समझाया गया। जिसपर दोनों पक्षो द्वारा आपसी समझ का परिचय देते हुये रास्ते को खोलने की सहमति दी गई। साथ ही पक्षकार मोहन सिंह भदौरिया द्वारा रूढिगत रास्ते के अतिरिक्त नवीन रास्ता स्वयं के खेत की मेड से ग्रामवासियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये दिया गया है।इस मौके पर बीट समाधान के दौरान ग्रामीणजनों के कचरा डालने को लेकर विवाद को अनुविभागीय अधिकारी के मार्गदर्शन में पंचायतकर्मियों द्वारा सुलझाया गया। राशन वितरण को लेकर उत्पन्न समस्याओं को भी मौके पर तत्काल निराकरण किया गया। जिसके लिए समस्त ग्रामवासियों द्वारा बीट अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

जिलाधीश सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत आज प्रातः कमिश्नर ग्वालियर संभाग की अध्यक्षता में जिलाधीश सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक संपन्न हुई, जिसमें फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के विधान सभा चुनावों की मतदाता सूची की समीक्षा की गई। बैठक में जिला कलेक्टर, अपर कलेक्टर एवं जिले के निर्वाचन से जु? समस्त अधिकारीगण एवं कांग्रेस भाजपा एवं सीपीआई राजनीतिक दल के प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478